RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 230 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 21-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मेरी नजर ट्रॉफी पर है, आपसी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान दे रहे हैं : श्रेयस अय्यर

6 ईरान की सीमाओं पर दिख रही दर्दनाक कहानियाँ

7 आखिरी सांस तक भाई के साथ खड़ी रहूंगी : सेलिना जेटली

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान ने 30 विमानों को ईरान के युद्धग्रस्त क्षेत्र में प्रवेश करने से रोका

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) ने पिछले दो दिन में लगभग 30 यात्री विमानों को ईरानी युद्धक्षेत्र में प्रवेश करने से रोका, जिससे एक बड़ी आपदा टल गई। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण (पीएए) के एटीसी विभाग के एक अधिकारी ने कहा, प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण, बुधवार और बृहस्पतिवार को लगभग 30 पाकिस्तानी यात्री विमान युद्धग्रस्त ईरानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के करीब पहुंच गए थे। एटीसी ने समय पर मार्गदर्शन देकर एक बड़ी आपदा को टालने में मदद की। उन्होंने कहा कि ये विमान ईरान की सीमा के पास प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों का सामना कर रहे थे, जिससे स्थिति अत्यंत जोखिमपूर्ण हो गई थी।

रूस-यूक्रेन वार्ता बहाल करने के लिए जेलेंस्की ने भेजा प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अपने देश पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के लिए निलंबित वार्ता को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका भेजा है। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह भी संकेत दिया कि मॉस्को और कीव के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में वार्ता का एक नया दौर जल्द ही होने की संभावना है। त्रिपक्षीय वार्ता, जिसमें अभी तक प्रमुख मुद्दों पर कोई सफलता नहीं मिली है, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्रित रहने के कारण ठप पड़ी हुई है।

अवैध जुआ, सट्टेबाजी पर सरकार की बड़ी कार्रवाई, 300 वेबसाइट और ऐप ब्लॉक

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने अवैध जुआ और सट्टेबाजी की वेबसाइट के खिलाफ एक बड़े अभियान के तहत ऐसी 300 वेबसाइट और एप्लीकेशन को ब्लॉक कर दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। ब्लॉक की गई वेबसाइट और ऐप ऑनलाइन स्पोर्ट्स सट्टेबाजी मंच, ऑनलाइन कैसीनो और सट्टा बाजारों की तरह काम करने वाले 'बेटिंग एक्सचेंज' से संबंधित हैं। सूत्रों ने बताया कि सट्टा/मटका जुआ नेटवर्क और 'रियल-मनी' कार्ड एवं कैसीनो गेम ऐप पर भी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अवैध जुआ और सट्टेबाजी की वेबसाइट पर कड़ा रुख अपनाते हुए ऐसी 300 वेबसाइट और एप्लीकेशन को ब्लॉक कर दिया है।

स्वार्थ और वर्चस्व की चाह दुनिया में संघर्षों की जड़ है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है तथा स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही प्राप्त की जा सकती है।

भागवत ने नागपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया 2,000 वर्षों से संघर्षों के समाधान के लिए विभिन्न विचारों के साथ प्रयोग करती रही है लेकिन उसे खास सफलता नहीं मिली।

उनकी ये टिप्पणियां पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की पृष्ठभूमि में आईं, जहां 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य हमले शुरू करने के बाद एक पूर्ण युद्ध छिड़ गया। उन्होंने कहा कि धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और श्रेष्ठता एवं हीनता के विचार अब भी मौजूद हैं।

आरएसएस प्रमुख ने शहर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विदर्भ प्रांत कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान सिखाता है कि ''सभी जुड़े हुए हैं और एक हैं।'' उन्होंने संघर्ष से सौहार्द और सहयोग की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान भी धीरे-धीरे इसी समझ की ओर बढ़ रहा है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है और स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही हासिल की जा सकती है।

भागवत ने आचरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि धर्म केवल शास्त्रों तक सीमित नहीं रह सकता बल्कि यह लोगों के व्यवहार में भी दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के पालन के लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत होती है और इसमें अक्सर व्यक्तिगत कठिनाई भी झेलनी पड़ती हैं।

भागवत ने कहा कि भारत मानवता में विश्वास करता है जबकि अन्य देश अस्तित्व के लिए संघर्ष और ताकतवर के टिके रहने के सिद्धांत को मानते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को संघर्ष नहीं, बल्कि सौहार्द की जरूरत है।

भागवत ने कहा कि जारी संघर्षों के बीच दुनियाभर से आवाजें उठ रही हैं कि केवल भारत ही युद्धों को समाप्त कर सकता है क्योंकि यह देश का स्वभाव है। उन्होंने कहा कि लड़खड़ाती दुनिया को धर्म की बुनियाद देकर उसमें संतुलन बहाल करना भारत की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''भारत के लोग मानवता के नियम का पालन करते हैं, लेकिन बाकी दुनिया जंगल के नियम का पालन करती है। लड़खड़ाती दुनिया को धर्म की बुनियाद देकर उसमें संतुलन बहाल करना हमारा काम है।''

मानवीय सहायता

भारत द्वारा शुक्रवार को काबुल को 2.5 टन आपातकालीन दवाइयों, मेडिकल डिस्पोज़ेबल्स, किट्स और उपकरणों की मानवीय सहायता भेजी गई। इस सहायता के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने और जरूरतमंद लोगों तक आवश्यक चिकित्सा सामग्री पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जो भारत की मानवीय सहयोग नीति को दर्शाता है।

सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों।

मुर्मू ने यहां वृंदावन स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में नवनिर्मित 'नंद किशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' (कैंसर चिकित्सा केंद्र) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''एक सशक्त और 'आत्मनिर्भर' भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों।'' उन्होंने कहा, ''आज कैंसर सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी का समय पर पता चलना और उच्चस्तरीय उपचार मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन कुछ परिवारों की आर्थिक स्थितियां इतनी खराब होती हैं कि उन्हें इस बीमारी का इलाज मुश्किल या लगभग असंभव सा लगता है।''

मुर्मू ने कहा, ''ऐसे समय में जनसेवा की भावना से काम करने वाले संगठन समाज कल्याण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।''

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि जागरूकता अभियानों और समय पर जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराकर कैंसर की रोकथाम और उसके प्रभावी इलाज पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आज, भारत अपने स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल हर नागरिक तक पहुंचे।''

मुर्मू ने कहा कि केंद्र सरकार देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए ठोस और निरंतर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ''आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के माध्यम से, लाखों नागरिकों को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कैंसर का इलाज भी आयुष्मान भारत योजना के दायरे में आता है, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिल रहा है।''

पीएसीएल मामला:

ईडी ने 22,000 करोड़ रु की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चंडीगढ़ स्थित पीएसीएल (पर्ल्स ग्रुप) के खिलाफ धनशोधन की जांच के दौरान जब्ती की नई कार्रवाई की है और इस मामले में कुल 22,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। यह आंकड़ा एजेंसी द्वारा एक ही मामले में अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है। पीएसीएल पर 48,000 करोड़ रुपए की पोंजी योजना में गड़बड़ी का आरोप है। ये 126 अचल संपत्तियां पंजाब और दिल्ली में स्थित हैं। ईडी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि इन संपत्तियों को जब्त करने के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया है। इन संपत्तियों का मूल्य 5,046.91 करोड़ रुपए है। ईडी ने बताया कि इस जब्ती के साथ, एजेंसी ने अब तक पीएसीएल और उसकी संबंधित संस्थाओं एवं उनसे जुड़े व्यक्तियों की कुल 22,656.91 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त कर ली हैं, जिनमें भारत और विदेशों में स्थित संपत्तियां शामिल हैं। एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि यह एक ही मामले में अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को मिली जान से मारने की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की समीक्षा की गई और इस मामले में दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि फोन करने वाले का पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में पता चला है।

अधिकारियों ने बताया कि कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी को 18 मार्च को सुबह करीब 11 बजे एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा फोन आया।

तुगलक रोड थाने में उनकी तरफ से दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, फोन करने वाले ने मंत्री को जान से मारने की धमकी दी और एमपी5 जैसी बंदूकों का जिक्र किया।

रुपया 82 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.71 प्रति डॉलर पर बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रुपया शुक्रवार को 82 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल से घरेलू मुद्रा दबाव में है।

मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण निवेशकों का भरोसा कम होने से रुपए में करीब एक प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने साथ ही कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बढ़ते जोखिम ऊर्जा लागत को बढ़ा रहे हैं, जिससे व्यापार घाटा बढ़ सकता है और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ सकता है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 92.92 पर खुला। कारोबार के दौरान गिरता हुआ यह 93 के स्तर से नीचे चला गया। अंत तक इसमें गिरावट जारी रही और यह 93.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 82 पैसे की गिरावट है।

रुपया बुधवार को 92.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा बाजार गुड़ी पड़वा के मौके पर बृहस्पतिवार को बंद थे।

प्रीमियम पेट्रोल दो रुपए, औद्योगिक डीजल 22 रुपए लीटर महंगा

नई दिल्ली/भाषा। प्रीमियम या उच्च श्रेणी के पेट्रोल की कीमत में शुक्रवार को दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की गई, जबकि औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को बेचे जाने वाला थोक डीजल लगभग 22 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। यह वृद्धि पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक तेल कीमतों में आए उछाल के बीच हुई है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। उद्योग जगत के सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रीमियम 95-ऑक्टेन पेट्रोल की कीमत 99.89 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 101.89 रुपए कर दी गई है। इसके साथ ही, दिल्ली में थोक या औद्योगिक डीजल की कीमतें 87.67 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 109.59 रुपए कर दी गई हैं। ईरान युद्ध तेज होने के कारण अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें बृहस्पतिवार को 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, जो बाद में घटकर करीब 108 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। दिल्ली में एक लीटर सामान्य पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपए बनी हुई है, जबकि इसी श्रेणी का डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। सामान्य पेट्रोल की ऑक्टेन रेटिंग आमतौर पर 91-92 होती है और यह मानक इंजनों के लिए उपयुक्त है। यह रोजमर्रा की जरूरतों के लिए सही है। दूसरी ओर, प्रीमियम पेट्रोल की ऑक्टेन रेटिंग 95-98 होती है, जो इसे अधिक बेहतर इंजनों के लिए आदर्श बनाती है। एक संवाददाता सम्मेलन में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

खनन क्षेत्र में तेज सुधारों की जरूरत : वेदांता चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने देश की ऊर्जा और खनिज सुरक्षा को मजबूत करने के लिए खनन क्षेत्र में तत्काल नीतिगत सुधारों और परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन की जरूरत बताई है। अग्रवाल ने उन तीन मुख्य बाधाओं को जिक्र किया है जो खदानों के परिचालन में देरी का कारण बन रही हैं। इनमें भूमि अधिग्रहण की चुनौतियां, पर्यावरण एवं वन मंजूरी में देरी और अत्यधिक उच्च प्रीमियम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उच्च प्रीमियम के कारण कई खदानें व्यावसायिक रूप से अलाभकारी हो गई हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच जारी इस बयान में अग्रवाल ने घरेलू उत्पादन बढ़ाने और संसाधन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सरकारी हस्तक्षेप की मांग की है।

क्षेत्र की वर्तमान स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में नीलाम किए गए 592 खनन ब्लॉक में से केवल 82 में ही वर्तमान में उत्पादन हो रहा है। इसका अर्थ है कि लगभग 85 प्रतिशत ब्लॉक अभी भी गैर-परिचालन स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि भारत के कुल 400 अरब डॉलर के आयात खर्च का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता के कारण है। इसके चलते देश के बाहर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

अग्रवाल ने सुधार के लिए कुछ प्रमुख सिफारिशें पेश की हैं, जिनमें भूमि अधिग्रहण के लिए प्रौद्योगिकी आधारित 'सीधा भुगतान' प्रणाली अपनाना और 'स्व-प्रमाणन' के माध्यम से मंजूरी प्रक्रियाओं को सरल बनाना शामिल है। साथ ही, उन्होंने आर्थिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए खनन प्रीमियम को अधिकतम 60 प्रतिशत पर सीमित करने का सुझाव दिया।

'धुरंधर' से निर्देशकों की एक नयी पीढ़ी का उदय होगा: राम गोपाल वर्मा

मुंबई/भाषा। राम गोपाल वर्मा ने अपनी फिल्म 'सत्या' से 'धुरंधर' की तुलना करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि 1998 की गैंगस्टर ड्रामा फिल्म आदित्य धर के लिए आधारशिला साबित हुई, जिन्होंने व्यावसायिक फिल्म निर्माण के व्याकरण को बदल दिया है। वर्मा ने 'धुरंधर' और इसके दूसरे भाग 'धुरंधर: द रिवेंज' को लिखने वाले, निर्देशन और सह-निर्माण करने वाले धर की जमकर प्रशंसा की है। रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म का दूसरा भाग 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ और इसने पहले दिन ही 145 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली। वर्मा ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा, धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, इसने व्याकरण को बदल दिया, लोगों की मानसिकता को बदल दिया। यह निश्चित रूप से निर्देशकों की एक नयी पीढ़ी को जन्म देगी, जो इसे एक मानदंड मानेंगे।''

ईरान ने विश्व के पर्यटन स्थलों पर हमले की धमकी दी, कहा-अब भी बना रहे मिसाइलें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने विश्व भर में मनोरंजन और पर्यटन स्थलों को निशाना बनाने की धमकी दी और इस बात पर ज़ोर दिया कि वह अब भी मिसाइलें बना रहा है। वहीं, इसके सर्वोच्च नेता ने एक और चेतावनी भरा बयान जारी किया।

इस बीच, अमेरिका पश्चिम एशिया में तीन अतिरिक्त युद्धपोत और लगभग 2,500 अतिरिक्त मरीन सैनिकों की तैनाती करने जा रहा है।

शुक्रवार को मनोरंजन और पर्यटन स्थलों पर हमलों की ईरान की धमकी अमेरिका और इज़राइल के साथ जारी उसके संघर्ष के लगभग तीन सप्ताह बाद आई है, जिसमें तेहरान के कई शीर्ष नेता मारे गए हैं और उसके हथियार एवं ऊर्जा उद्योगों को भारी नुकसान पहुंचा है।

ईरान ने इजराइल और पड़ोसी खाड़ी अरब देशों में स्थित ऊर्जा संयंत्रों पर हमले किए, वहीं इजराइल ने तेहरान को निशाना बनाया। ये हमले ऐसे समय हुए जब लोग रमजान महीने के पूरा होने पर ईद मनाने की तैयारियों में लगे थे, तथा ईरान में नवरोज का त्योहार मनाया जा रहा था।

दुश्मनों की 'सुरक्षा छीन ली जानी चाहिए' : ईरान के सर्वोच्च नेता

दुबई/एपी। ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने देशवासियों के नाम नए संदेश में अपने देश के दुश्मनों की ''सुरक्षा'' छीन लिए जाने का शुक्रवार को आह्वान किया। खामेनेई ने इजराइल के हमले में खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब की मौत के बाद राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन को भेजे गए एक बयान में यह टिप्पणी की। खामेनेई को सर्वोच्च नेता नामित किए जाने के बाद से उन्हें सार्वजनिक रूप से देखा नहीं गया है। युद्ध के पहले दिन 28 फरवरी को अमेरिका एवं इजराइल के हवाई हमले में सर्वोच्च नेता एवं मुजतबा खामेनेई के पिता अयातुल्ला अली खामेनेई (86) मारे गए थे। मुजतबा खामेनेई को अली खामेनेई के मारे जाने के बाद सर्वोच्च नेता बनाया गया। अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने संकेत दिया है कि युद्ध में मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं।

ईरान ने फिर किया मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर हमला : कुवैत

कुवैत सिटी/भाषा। कुवैत ने शुक्रवार को कहा कि उसकी मीना अल-अहमदी तेल रिफाइनरी पर ईरान ने फिर से ड्रोन हमला किया जिससे उसकी कई इकाइयों में आग लग गई। रिफाइनरी पर बृहस्पतिवार को भी हमला हुआ था जिससे उसमें आग लग गई थी। कुवैत ने कहा कि दमकलकर्मी फिर से हुए हमले के बाद लगी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं और हमले में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुवैत में रमजान के समापन पर ईद मनाई जा रही है। इजराइल ने बुधवार को फारस की खाड़ी में ईरान के विशाल 'साउथ पार्स' अपतटीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर बमबारी की थी जिसके बाद से ईरान खाड़ी के अरब देशों में ऊर्जा स्थलों को लगातार निशाना बना रहा है।

21-03-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे | 22-03-2026 सूर्योदय 6:22 बजे

BSE	NSE
74,532.96 (+325.72)	23,114.50 (+112.35)

सोना	चांदी
15,338 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	235,413 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बिकाऊ नेता

जिनको जनता ने चुना कभी,
जारी है उनकी भी खरीद।
निज दल उनको अब रिझा रहे,
पर दल के ना होवें मुरीद।
अवसरवादी नेताओं की,
बिन चन्द्र रही हर वक्त ईद।
पद पैसा मिलने पर करते,
जनमत के आगे सदा लीद।।

गुरु गणेश सेवा समिति ने '100वें अन्नदान महाप्रसादी' कार्यक्रम का किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति अपने स्थापना वर्ष 2015 से हर अमावस्या को अन्नदान का आयोजन करती आ रही है। साथ ही गौ सेवा भी सतत रूप से इस संस्था के माध्यम से की जा रही है। अन्नदान महाप्रसादी कार्य के 100 माह पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को संस्था ने विशाल रूप से 'शोभा महोत्सव' अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन मैसूर बैंक सर्कल के पास किया। इस अवसर पर साध्वी मनीषाश्रीजी एवं पूर्वाश्रीजी ने मांगलिक प्रदान कर संस्था के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष भास्कर राव, 117 बार रक्तदान कर रिकार्ड बना चुकी मधुरा अशोककुमार उपस्थित थीं। इस महोत्सव में सुनील सांखला, सोहनलाल नाहर, अशोक कुमार छल्लानी तथा मुकेश पुनमिया परिवार की ओर से अन्नदान किया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया। इस मानवसेवा के कार्य में संस्था के मंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, कार्याध्यक्ष आशीष बाफना आदि अनेक कार्यकर्ताओं व सदस्यों ने अपने हाथों से अन्नदान किया।

प्रकृति से जुड़ने व जानने हेतु तेयुप ने आयोजित की 'अरण्य यात्रा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर द्वारा प्रकृति के साथ आत्मविकास, अनुशासन और एकता का संगम 'आरण्य- दि एसेंस ऑफ नेचर' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सिर्फ एक ट्रेकिंग यात्रा नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने, स्वयं को खोजने और नई ऊर्जा से भरने की एक अनूठी यात्रा थी। इस मौके पर अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत, संगठन मंत्री रोहित कोठारी, अमित दक, दिनेश मरोठी, सोनू डागा, गौतम खाब्या, तरुण पटावरी की उपस्थिति में तेयुप बेंगलूरु के अध्यक्ष प्रसन्न धोका एवं मंत्री प्रदीप चौपड़ा के नेतृत्व में 6 परिषदों से 32 युवा साथियों ने शुक्रवार से शुरु हुई इस तीन दिवसीय आरण्य यात्रा में भाग लिया।

'ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा'

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि ईरान और अमेरिका-इजराल युद्ध के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक परिणाम हो सकते हैं, इसलिए इसे जल्द से जल्द समाप्त करने की आवश्यकता है। अब्दुल्ला ने यहां हजरतबल दरगाह में जुमे की नमाज अदा करने के बाद पत्रकारों से कहा, ''न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी इस (युद्ध) के गंभीर परिणाम होंगे।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम प्रार्थना करते हैं कि सर्वशक्तिमान ईश्वर मुस्लिम जगत को उन समस्याओं से मुक्ति दिलाएं जिनका वह सामना कर रहा है।''

संघर्ष से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में, फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी ''अधिक ताकतवर'' कोई शक्ति अंततः पश्चिम एशिया की स्थिति को सुलझाने में मदद करने के लिए आगे आएगी।

गुजरात 2030 तक 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने को तैयार : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस विकास पथ की परिकल्पना की है, उस पर चलते हुए राज्य 2030 तक 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी कर रहा है।

पटेल ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) गुजरात के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए उद्योगों को सभी जरूरी सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देश की कुल आबादी का केवल पांच प्रतिशत होने के बावजूद, भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गुजरात का योगदान आठ प्रतिशत है और लक्ष्य इसे 10 प्रतिशत से ऊपर ले जाने का है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस विकास पथ की परिकल्पना की है, उसका अनुसरण करते हुए गुजरात 2030 तक 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी कर रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार उद्योगों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।'' उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में गुजरात एक प्रमुख भूमिका निभाता है, जो कुल विनिर्माण उत्पादन में 17 प्रतिशत और राष्ट्रीय निर्यात में लगभग 33 प्रतिशत का योगदान देता है। पटेल ने जानकारी दी, ''राज्य के एमएसएमई क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2001-02 में 1.85 लाख इकाइयों से बढ़कर अब 27.9 लाख हो गया है। गुजरात देश के कुल कार्गो का 40% हिस्सा भी संभालता है। इसके क्षेत्रवार योगदान में रसायन निर्यात में 33%, दवा निर्यात में 19.2% व हीरा निर्यात में 80% हिस्सेदारी शामिल है।''

फ्लिपकार्ट ने कर्मचारियों को 105% बोनस देने का किया एलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी फ्लिपकार्ट ने कारोबार में आई मजबूती को देखते हुए अपने कर्मचारियों को वर्ष 2025 के लिए 105 प्रतिशत बोनस देने की घोषणा की है। 'पीटीआई-भाषा' के पास मौजूद कंपनी के एक आंतरिक ईमेल के अनुसार, वरिष्ठ निदेशक और उससे नीचे के पदों पर कार्यरत पात्र कर्मचारियों को बोनस की यह राशि मार्च में ही दे दी जाएगी। हालांकि, उपाध्यक्ष और वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्तर के अधिकारियों को यह भुगतान उनकी प्रदर्शन समीक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद किया जाएगा।

कंपनी की मानव संसाधन प्रमुख सीमा नायर ने ईमेल में कहा, बोनस देने का हमारा यह सालाना पैमाना दिखाता है कि हमने कारोबार और मुनाफे की दिशा में कितनी तरक्की की है। हमने विकास की रफ्तार को बनाए रखते हुए मुनाफे की ओर बढ़ने में बड़ी सफलता पाई है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली इस कंपनी ने अपने मुख्य कारोबारी क्षेत्रों को मजबूत करने और विकास के नए रास्तों को बढ़ाने में सफलता पाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी स्तरों पर कर्मचारियों की कड़ी मेहनत को सम्मान देने के लिए 105% बोनस घोषित किया गया है। इस मामले पर फ्लिपकार्ट की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

सीबीडीटी ने सरल आयकर कानून के लिए नियमों को अधिसूचित किया, एक अप्रैल से होंगे प्रभावी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शुक्रवार को आयकर अधिनियम, 2025 के लिए नियमों को अधिसूचित कर दिया। इसमें वेतनभोगियों के लिए मकान किराया भत्ते पर बढ़े हुए कर लाभ का प्रावधान है, लेकिन मकान मालिक-किरायेदार के संबंधों का खुलासा करना अनिवार्य कर दिया गया है।

आयकर नियम, 2026 उस सरल प्रत्यक्ष कर कानून को लागू करेंगे, जिसे पिछले साल संसद ने मंजूरी दी थी। यह एक अप्रैल से प्रभावी होगा। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना में कहा गया, ''इन नियमों को आयकर नियम, 2026 कहा जा सकता है। ये एक अप्रैल, 2026 से लागू होंगे।''

संसद ने 12 अगस्त, 2025 को छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को बदलने के लिए एक नया आयकर विधेयक पारित किया था। यह कोई नई कर दर लागू नहीं करता है, बल्कि केवल भाषा को सरल बनाता है। जटिल आयकर कानूनों को समझने के लिए ऐसा करना आवश्यक था। इस अधिनियम ने अनावश्यक प्रावधानों और पुरानी भाषा को हटा दिया है और आयकर अधिनियम, 1961 की 819 धाराओं को घटाकर 536 और अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी है। नए आयकर विधेयक में शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है और स्पष्टता बढ़ाने के लिए 1961 के कानून के बोझिल पाठ के स्थान पर पहली बार 39 नई तालिकाएं और 40 नए सूत्र पेश किए गए हैं।

नए नियमों में पूंजीगत लाभ, शेयर बाजार के लेनदेन और अनिवासी कराधान के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं, जबकि अन्य खुलासा प्रणाली को सरल बनाया गया है। अधिसूचना में 150 से अधिक आधिकारिक फॉर्म पेश किए गए हैं। आयकर नियम वेतनभोगी करदाताओं पर लागू होने वाले मकान किराया भत्ता (एचआरए) छूट के लिए प्रस्तावित ढांचे को बरकरार रखते हैं। नए नियमों के तहत आठ शहर - मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और बेंगलूरु - वेतन के 50 प्रतिशत की उच्च छूट सीमा के लिए पात्र होंगे, जबकि अन्य सभी स्थान 40 प्रतिशत पर बने रहेंगे। इस समय मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई में वेतनभोगी कर्मचारी अपने वेतन के 50 प्रतिशत तक एचआरए छूट का दावा कर सकते है, जबकि अन्य स्थानों पर रहने वाले 40 प्रतिशत की निचली सीमा के लिए पात्र हैं।

शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 325 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजार में शुक्रवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 326 अंक लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी 112 अंक चढ़ा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, सूचना प्रौद्योगिकी और धातु कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। बाजार में एक समय अच्छी बढ़त देखने को मिली लेकिन ईंधन कीमतों में उछाल के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच दोनों मानक सूचकांकों ने बढ़त का बड़ा हिस्सा गंवा दिया।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 325.72 अंक यानी 0.44 प्रतिशत चढ़कर 74,532.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,079.15 अंक यानी 1.45 प्रतिशत उछलकर 75,286.39 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 112.35 अंक यानी 0.49 प्रतिशत बढ़कर 23,114.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 343 अंक यानी 1.49 प्रतिशत चढ़कर 23,345.15 अंक तक पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन, एनटीपीसी और सन फार्मा प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एचडीएफसी बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। इस बीच, प्रीमियम यानी ऊंची गुणवत्ता वाले पेट्रोल की कीमत में शुक्रवार को दो रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई।

एलपीजी की कमी जारी, व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति सीमित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एलपीजी की आपूर्ति में कमी शुक्रवार को लगातार तीसरे सप्ताह भी जारी रही। हालांकि सिलेंडर भरवाने को लेकर बुकिंग में कुछ कमी आई है जो स्थिति के धीरे-धीरे सामान्य होने के संकेत हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कच्चे माल की आपूर्ति में बाधा बनी रहने से होटल सहित व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति प्रतिबंध जारी हैं जिससे चिंता बनी हुई है।

अमेरिका तथा इजराइल के ईरान पर हमलों और उसके जवाबी कार्रवाई करने से शुरू हुए युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। इसके जरिये भारत अपने आयात का 60 प्रतिशत प्राप्त करता है। इतनी बड़ी मात्रा में आपूर्ति अचानक बंद होने से सरकार ने घरेलू रसोई के लिए आपूर्ति को प्राथमिकता दी है। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को आपूर्ति शुरू में पूरी तरह रोक दी गई थी लेकिन बाद में उनकी जरूरत का पांचवां हिस्सा बहाल किया गया। इससे घरेलू उपभोक्ताओं में घबराहट में सिलेंडर बुक करवाना शुरू कर दिया क्योंकि उन्हें इसकी उपलब्धता सीमित होने का डर था। 13 मार्च को हालत यह थी बुकिंग 87.7 लाख तक पहुंच गई थी लेकिन उसके बाद इसमें कमी आई। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने 19 मार्च को संवाददाता सम्मेलन में बताया था कि उस दिन करीब 55 लाख बुकिंग हुई जो एक दिन पहले 57 लाख थी। युद्ध से पहले प्रतिदिन औसतन 50-55 लाख बुकिंग होती थी। उन्होंने कहा, '' घबराहट में की जा रही बुकिंग के मामले अब कम हो रहे हैं।'' शर्मा ने कहा कि सरकार उपलब्ध एलपीजी की आपूर्ति को घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दे रही है...। एलपीजी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन किसी भी वितरक के पास आपूर्ति पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।'' उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 11,300 टन एलपीजी दी गई। शर्मा ने कहा कि पिछले दो सप्ताह में घरेलू एलपीजी उत्पादन में 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है और तीनों सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां युद्ध से पहले के स्तर पर रोजाना भरे हुए सिलेंडर की आपूर्ति कर रही हैं।

'चवदार तले सत्याग्रह' लोगों को मानवीय गरिमा और समानता की याद दिलाता है : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने रायगढ़ जिले के महाड स्थित ऐतिहासिक चवदार तले तालाब के व्यापक विकास का कार्य शुरू कर दिया है। यह तालाब, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है, जिसकी अगले वर्ष शताब्दी पूरी हो जाएगी।

फडणवीस ने परियोजना के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल केवल तालाब के जल शुद्धिकरण तक सीमित नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य क्षेत्र का समग्र विकास करना है, जिसमें सौंदर्यीकरण और विभिन्न सार्वजनिक सुविधाओं का निर्माण शामिल है। मुख्यमंत्री ने गहरे सामाजिक विभाजन के दौर में समानता और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने वाले एक ऐतिहासिक सामाजिक आंदोलन के रूप में चवदार तले सत्याग्रह को याद करते हुए कहा, यह हमें डॉ. अंबेडकर द्वारा प्रतिपादित मानवता और सामाजिक न्याय के मूल्यों की याद दिलाता है। फडणवीस ने कहा, हम इस स्थल को उन आदर्शों को प्रतिबिंबित करते हुए विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ. अंबेडकर और उनके समर्थकों ने 20 मार्च, 1927 को महाड में एक सभा की और उसके बाद चवदार तले तालाब पर जाकर दलित समुदायों के सार्वजनिक जल स्रोतों के उपयोग के अधिकार को दर्शाने के लिए उसका जल पिया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च को समाप्त सप्ताह में 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में 27 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में 4.88 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी और यह अब तक के सबसे उच्चतम स्तर 728.49 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 13 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.68 अरब डॉलर घटकर 555.57 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में घट-बढ़ के प्रभाव शामिल होते हैं।

लोगों का जीवन आसान बनायें आयकर अधिकारी, कर चोरी रोकने को प्रौद्योगिकी का उपयोग करें : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

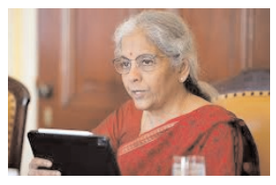

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को आयकर अधिकारियों से करदाताओं का जीवन आसान बनाने और जानबूझकर कर चोरी करने वालों को पकड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने को कहा। उन्होंने 'प्रारंभ 2026: आयकर अधिनियम, 2025 पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान' को संबोधित करते हुए भरोसा जताया कि एक अप्रैल से प्रभावी होने वाला आयकर अधिनियम, 2025 निश्चित रूप से भारत को एक कर-अनुकूल देश बनाएगा।

सीतारमण ने कहा, ''कर भुगतान को इतना आसान बनाएं कि ईमानदारी स्वाभाविक विकल्प बन जाए। लेकिन जो जानबूझकर चोरी कर रहे हैं, जो जानबूझकर बचने की कोशिश कर रहे हैं, तकनीक उन्हें पकड़ लेगी। यदि आप ईमानदार हैं, तो व्यवस्था आपका जीवन आसान बना देगी, लेकिन यदि आप चोरी करते हैं, तो व्यवस्था आपको ढूंढ लेगी। यह संदेश करदाताओं तक जाना चाहिए।'' संसद ने 12 अगस्त, 2025 को छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को बदलने के लिए एक नया आयकर विधेयक पारित किया था। इसमें किसी नई कर दर का प्रावधान नहीं है, और सिर्फ कानून की भाषा को आसान बनाया गया है। सीतारमण ने कर अधिकारियों से नए कर कानूनों के बारे में स्थानीय भाषाओं में लोगों को शिक्षित करने के लिए पूरे भारत में जागरूकता अभियान चलाने को भी कहा।

तेलंगाना सरकार ने 2026-27 के लिए 3.24 लाख करोड़ रुपए का बजट किया पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.24 लाख करोड़ रुपए का बजट शुक्रवार को पेश किया। यह मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की तुलना में करीब 20,000 करोड़ रुपए अधिक है। इसमें मूसी नदी तट के सौंदर्यीकरण और हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे व तीसरे चरण जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के साथ-साथ चुनावी वादों को पूरा करने पर जोर दिया गया है।

विधानसभा में बजट पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने कांग्रेस सरकार के छह चुनावी वादों के लिए 50,713 करोड़ रुपए आवंटित किए। इसमें किसानों के लिए 'रायथु भरोसा' निवेश समर्थन योजना (18,000 करोड़ रुपए) भी शामिल है। उन्होंने कई नई योजनाओं की भी घोषणा की जिनमें राज्य के सभी 1.15 करोड़ परिवारों के लिए 4,000 करोड़ रुपए के परिव्यय से पांच लाख रुपए का जीवन बीमा कवर और 100 करोड़ रुपए के प्रस्तावित व्यय के साथ इंटरमीडिएट (11वीं व 12वीं कक्षा) के छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन योजना शामिल है। वित्त मंत्रालय का भी प्रभार संभाल रहे विक्रमार्क ने कहा कि राजस्व व्यय के लिए 2,34,406 करोड़ रुपए और पूंजीगत व्यय के लिए 47,267 करोड़ रुपए का प्रस्ताव किया गया है। सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए 23,179 करोड़ रुपए और ऊर्जा क्षेत्र के लिए 21,285 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

मंत्री ने नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के लिए 17,907 करोड़ रुपए और चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य विभाग के लिए 13,679 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा।

'चेयुथा' सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत, पात्र लाभार्थियों को दो लाख नई पेंशन स्वीकृत की जाएंगी और इसके लिए 14,861 करोड़ रुपए अलग रखे गए हैं।

देश की ऊर्जा भंडारण क्षमता 2033 तक 346 गीगावाट प्रति घंटा तक पहुंचने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत की स्थापित ऊर्जा भंडारण क्षमता वर्तमान के लगभग एक गीगावाट-घंटा से बढ़कर 2033 तक 346 गीगावाट-घंटा तक पहुंचने का अनुमान है। यहां 'स्टेशनरी एनर्जी स्टोरेज इंडिया' (सेसी) 2026 सम्मेलन में पेश किए एक उद्योग श्वेत पत्र में यह जानकारी दी गई।

सेसी 2026 सम्मेलन का आयोजन उद्योग निकाय 'भारत ऊर्जा भंडारण गठबंधन' (आईईएसए) द्वारा किया जा रहा है, जो यहां जारी 'भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026' का हिस्सा है। श्वेत पत्र के अनुसार, भारत के स्थिर ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में (आईईएसए) अच्छी वृद्धि हो रही है। पाइपलाइन में मौजूद 'बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली' (बीईएसएस) परियोजनाओं की कुल क्षमता अब रिकॉर्ड 92 गीगावाट-घंटा तक पहुंच गई है। इसमें कहा है कि संचयी स्थापित क्षमता, जो वर्तमान में एक गीगावाट-घंटा से कम है, के 2033 तक 346 गीगावाट-घंटा के पार जाने का अनुमान है। शुक्रवार को सेसी 2026 सम्मेलन में इस विस्तार की रूपरेखा पर जोर दिया गया, जहां आईईएसए ने 'कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस' के साथ मिलकर तैयार किए गए इस श्वेत पत्र को जारी किया। सेसी 2026 सम्मेलन में 10 से अधिक देशों के 450 से अधिक उद्योग जगत के नेताओं, सरकारी अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन ग्रिड इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस सी सक्सेना ने किया। उन्होंने देश के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में ऊर्जा भंडारण को अपनाने में तेजी लाने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। आईईएसए के अध्यक्ष देबमाल्या सेन ने कहा, ''...यह भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म उत्पादन के लक्ष्य को साकार करने के लिए आवश्यक रणनीतिक स्पष्टता प्रदान करता है, जिसमें ऊर्जा भंडारण एक लचीले और विश्वसनीय ग्रिड की रीढ़ के रूप में काम करेगा।''

कांग्रेस में कुर्सी को लेकर संघर्ष चरम पर, मुख्यमंत्री का बदलना अपरिहार्य : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर 'सत्ता संघर्ष व आंतरिक कलह' चरम पर पहुंच गई है और मुख्यमंत्री का बदला जाना अपरिहार्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा नौ अप्रैल को होने वाले बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव में जीत हासिल करेगी। विजयेंद्र ने दावा किया कि राज्य में कांग्रेस सरकार को मजबूत सत्ता-विरोधी लहर और 'जनता की निराशा' का सामना करना पड़ रहा है। विजयेंद्र ने कहा, सत्ता संघर्ष और आंतरिक कलह (कांग्रेस में) चरम पर पहुंच गई है। अगर उपचुनावों की घोषणा नहीं की जाती तो स्थिति पूरी तरह बदल चुकी होती, संभवतः जारी विधानसभा सत्र (जो 27 मार्च को समाप्त होने वाला है) के तुरंत बाद। उपचुनावों की वजह से इसे शायद पंद्रह दिन के लिए टाल दिया जाएगा। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, कांग्रेस सरकार में जारी संकट के मद्देनजर मुख्यमंत्री पद में बदलाव अपरिहार्य है।

भाजपा नेता ने कहा, हाल ही में विधानसभा में सत्ताधारी दल के कुछ विधायकों से बात करने पर उन्होंने विश्वास जताया कि कुछ न कुछ परिणाम जरूर निकलेंगे और मुख्यमंत्री इस्तीफा दे देंगे। लेकिन उन्हें यह तय करना होगा कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा।

उन्होंने कहा, गरीब लोग परेशान हैं, किसान संकट में हैं, युवा भी नाखुश हैं और इस सरकार के खिलाफ हैं। इसलिए, मुझे पूरा विश्वास है कि सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की घोर सत्ता-विरोधी और जनविरोधी नीतियों के कारण, दोनों निर्वाचन क्षेत्रों की जनता भाजपा को जीत दिलाएगी।

भाजपा ने केंद्रीय चुनाव समिति की मंजूरी के बाद बागलकोट से वीरभद्रय्या चरंतिमठ और दावणगेरे दक्षिण से श्रीनिवास टी. दासकारियप्पा को चुनाव मैदान में उतारा है। ये उपचुनाव मौजूदा कांग्रेस विधायकों एचवाई मेती और शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के बाद हो रहा है।

कांग्रेस आलाकमान और मुख्यमंत्री ही कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल पर निर्णय लेंगे : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल में फेरबदल से संबंधित कोई भी निर्णय पूरी तरह से कांग्रेस आलाकमान और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर निर्भर करता है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पार्टी के कई विधायक मंत्री पद की मांग जोर-शोर से उठा रहे हैं। गृहमंत्री ने पत्रकारों के साथ बातचीत में विधायकों के इच्छा व्यक्त करने के अधिकार का बचाव करते हुए कहा, ''आकांक्षाएं रखना स्वाभाविक है और मंत्री पद की मांग करने में कोई बुराई नहीं है। विधायकों द्वारा अवसर मांगने में क्या गलत है? अवसर देना है या नहीं, यह आलाकमान का निर्णय है... यह मुख्यमंत्री का विवेक है...।'' परमेश्वर ने कहा कि आलाकमान इन मामलों पर गौर करेगा और आगे क्या करना है, इसका निर्णय लेगा। तीन से अधिक बार विधायक रह चुके वरिष्ठ कांग्रेस विधायकों के एक समूह ने मंगलवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उनसे मंत्रिमंडल में फेरबदल करने एवं उन्हें मंत्री पद का अवसर देने की अपील की। लगभग 40 विधायकों ने उपचुनाव के बाद 11 अप्रैल को नयी दिल्ली जाने की योजना बनाई है, ताकि वे कांग्रेस आलाकमान से मिल सकें और फेरबदल के दौरान उनमें से कम से कम 20 को मंत्रिमंडल में शामिल करने के विषय पर चर्चा कर सकें। कर्नाटक में नौ अप्रैल को बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होंगे।

सिद्दरामय्या के इशारे पर धमकी के आरोप संबंधी याचिका की सुनवाई से न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका की सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने एक संपत्ति पर कब्जा करने के लिए धमकियों की साजिश रची है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि उनका मुवक्किल कर्नाटक में प्रवेश नहीं कर पा रहा है और उसे मजबूर होकर दिल्ली में रहना पड़ रहा है।

पीठ ने पूछा, ''क्या कर्नाटक के मुख्यमंत्री दिल्ली में आपके पीछे लोगों को भेज रहे हैं?'' इस पर वकील ने जवाब दिया, ''दिल्ली में नहीं, यह कर्नाटक में हो रहा है।'' वकील ने बताया कि ''याचिकाकर्ता कर्नाटक लौटना चाहता है। उन्होंने कहा, बार-बार पुलिस में शिकायत दर्ज कराने और मेरे पक्ष में अदालत से आदेश मिलने के बावजूद धमकियां जारी हैं।'' वकील ने यह भी दावा किया कि ''जनवरी में उनके मकान पर पथराव की घटना हुई थी और कुछ लोगों ने उसमें तोड़फोड़ की थी। वकील ने कहा, वे इस संपत्ति पर कब्जा करना चाहते हैं।''

पीठ ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता ने संबंधित उच्च न्यायालय का रुख क्यों नहीं किया। इस पर वकील ने जवाब दिया, ''समस्या यह है कि इन धमकियों के कारण मैं कर्नाटक राज्य में प्रवेश नहीं कर पा रहा हूं। मुझे मजबूर होकर दिल्ली में रहना पड़ रहा है।''

इसके बाद पीठ ने एक समिति का उल्लेख किया और पूछा कि क्या याचिकाकर्ता उस समिति का नेतृत्व कर रहा है? शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि याचिकाकर्ता अदालत में एक राजनीतिक लड़ाई लड़ रहा है। इस पर वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। जब पीठ ने दो व्यक्तियों द्वारा दायर इस याचिका की सुनवाई करने में अनिच्छा दिखाई, तो वकील ने उसे वापस लेने की अनुमति मांगी। याचिका को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया गया और इसके साथ ही याचिकाकर्ताओं के लिए संबंधित उच्च न्यायालय में उपलब्ध उपायों का सहारा लेने का रास्ता खुला रह गया।

ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मानहानिकारक सामग्री हटाए तमिल पत्रिका : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/कोयम्बटूर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक तमिल मीडिया प्रतिष्ठान को सद्गुरु जगदीश वासुदेव के ईशा फाउंडेशन के खिलाफ प्रकाशित कुछ मानहानिकारक सामग्री को हटाने का निर्देश दिया है। फाउंडेशन ने 2024 में पत्रिका 'नक्कीरन'' और उसके संपादक के खिलाफ मानहानि के आरोप में याचिका दायर की थी जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने 19 मार्च को अंतरिम आदेश पारित किया।

अदालत ने पत्रिका की इस स्तर पर ही मुकदमे को खारिज करने की याचिका को भी अस्वीकार कर दिया। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि 'नक्कीरन'' ने ईशा फाउंडेशन और सद्गुरु की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में अपमानजनक, अशोभनीय और आपत्तिजनक सामग्री वाले कई वीडियो प्रसारित किए थे।

''नक्कीरन'' ने ईशा फाउंडेशन पर शोषण और लोगों को बहकाने का आरोप लगाया था। ईशा फाउंडेशन ने एक बयान में अदालत के फैसले का स्वागत किया और व्यापक सामाजिक विकास और मानव कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बयान में कहा गया, ''हम माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के इस अंतरिम आदेश का तहे दिल से स्वागत करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ मीडिया संस्थान और व्यक्ति जानबूझकर जनता को गुमराह करने के प्रयास में बिना किसी सबूत के झूठे और मानहानिकारक आरोप लगाते हैं।''

जुआ मामले में पूछताछ के लिए लाए गए व्यक्ति की पुलिस थाने में मौत, सीआईडी जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। जुए के एक मामले में पूछताछ के लिए लाए गए 50 वर्षीय एक व्यक्ति की यहां एक पुलिस थाना परिसर में गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मृतक कांताराजू के परिजनों ने उसकी मौत संबंधी परिस्थितियों पर संदेह जताते हुए ''पुलिस पर उत्पीड़न'' का आरोप लगाया जिसके बाद कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इस घटना की जांच सीआईडी (आपराधिक जांच विभाग) से कराए जाने के आदेश दिए हैं।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चिक्कनायकनहल्ली तालुक के यलानाडु गांव में रहने वाले कांताराजू को जुए के एक मामले में पूछताछ के लिए बृहस्पतिवार को हुलियार पुलिस थाने लाया गया था। उन्होंने कहा, जुए के एक मामले में उससे पूछताछ की गई और उसे नोटिस दिया गया। पुलिस थाने से निकलते समय वह अचानक गिर पड़ा और परिसर के भीतर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि मौत के सही कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस घटना की न्यायिक मजिस्ट्रेट से जांच कराई जा रही है। कांताराजू की मौत के बाद गांववालों ने जवाबदेही तय किए जाने की मांग को लेकर पुलिस थाना परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक के वी ने आश्वासन दिया है कि यदि कोई पुलिसकर्मी इस घटना के लिए जिम्मेदार पाया जाता है तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने इस मामले को सीआईडी को सौंपने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''मैंने एसपी से बात की। उन्होंने कहा कि यह हवालात में मौत का मामला नहीं है। उस व्यक्ति की मौत हुई है... यह अभी पता नहीं है कि क्या हुआ था। मैंने इस मामले को सीआईडी को सौंपने का फैसला किया है। अगर उसके साथ मारपीट हुई है या कुछ और हुआ है, तो सीआईडी की जांच से चीजें साफ हो जाएंगी। पोस्टमार्टम से भी कुछ हद तक इसका पता चल जाएगा। सीआईडी पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी और रिपोर्ट देगी जिसके आधार पर हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे।''

बैठक

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री भी हैं, ने गुरुवार को ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) के तहत पांच शहरी निगमों के 2026-27 के बजट की शुरुआती तैयारियों पर चर्चा करने के लिए बेंगलूरु के विधायकों के साथ एक बैठक विधानसभा में की गई। मंत्री दिनेश गुंडूराव, कृष्णा बायरेगौड़ा, जमीर अहमद खान, बैराती सुरेश, सांसद पीसी मोहन, विधायक डॉ. अश्वथ नारायण, गोपालया, रिजवान अरशद, एम कृष्णप्पा, एस सुरेश कुमार, एसटी सोमशेखर, यलहंका विश्वनाथ, सतीश रेड्डी, मुनिराजू, आनेकल सिवन, मंजुला लिंबन्ना, एसी श्रीनिवास, बैराती बसवराज, मुनिराजू, रवि सुब्रमण्यम, राममूर्ति, उदय गरुड़ाचार, मुनिरत्नम नायडू, एमएलसी सरवण, रमेश बाबू, सुधामदास, नागराज यादव, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी तुषार गिरिनाथ, जीबीए मुख्य आयुक्त महेश्वर राव, स्पेशल आयुक्त मुनीश मौदगिल, डीसीएम के सचिव राजेंद्र चोलन और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

बेंगलूरु मेट्रो में उपद्रव करने के आरोप में 11 महिला यात्रियों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु मेट्रो ट्रेन के अंदर तेज आवाज में गाना गाकर हंगामा करने और अन्य यात्रियों को परेशान करने के आरोप में 11 महिला यात्रियों के एक समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना 15 मार्च की रात को हुई जब आरोपी महिलाएं बेंगलूरु इंटरनेशनल एग्जिबिशन सेंटर (बीआईईसी) से केजीडब्ल्यूए (नादप्रभु केम्पेगौड़ा मेट्रो स्टेशन) मेट्रो लाइन की ओर जा रही थीं।

आरोप है कि महिलाओं के समूह ने कोच के अंदर जोर-जोर से गाना शुरू कर दिया, जिस पर अन्य यात्रियों ने आपत्ति जताई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप करते हुए स्थिति को नियंत्रण में किया।

बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने एक बयान में कहा कि 15 मार्च की रात को, बीआईईसी में एक संगीत कार्यक्रम में भाग लेने के बाद कुछ युवाओं ने रात करीब 10:57 बजे मदावरा स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन में हंगामा किया, जिससे अन्य यात्रियों को असुविधा हुई और ट्रेन की आवाजाही में कुछ समय की देरी हुई। बयान के अनुसार, बीएमआरसीएल के सुरक्षा कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को ट्रेन से उतारा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया।

अधिकारी ने बताया कि बीएमआरसीएल के सुरक्षा अधिकारी की शिकायत के आधार पर इन 11 महिला यात्रियों के खिलाफ गैर-संज्ञेय रिपोर्ट दर्ज की गई। गैर-संज्ञेय रिपोर्ट तब दर्ज की जाती है जब अपराध मामूली प्रकृति का माना जाता है। पुलिस ने बताया कि माफी मांगने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

दिल्ली में सीट बंटवारा वार्ता पर द्रमुक का अन्नाद्रमुक पर तंज, कहा : पार्टी दफ्तर पर 'ताला' जड़ दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख ई.के. पलानीस्वामी पर तंज कसते हुए कहा कि उनका दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करना अप्रत्याशित है, क्योंकि तमिलनाडु में विपक्षी दल (अन्नाद्रमुक) राजग का नेतृत्व कर रहा है। द्रमुक नेता एवं राज्य मंत्री के. एन. नेहरू ने तंज कसते हुए अन्नाद्रमुक से कहा कि उसे यहां स्थित अपने मुख्यालय पर ''ताला'' जड़ देना चाहिए। उन्होंने हैरानी जताई कि तमिलनाडु आधारित पार्टी जोकि गठबंधन का नेतृत्व कर रही है सीट बंटवारे की बातचीत राष्ट्रीय राजधानी में कैसे कर सकती है।

नेहरू ने भाजपा नेता के साथ मुलाकात को लेकर आरोप लगाया कि जांच एजेंसियां द्वारा समन भेजे जाने की तरह ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीट बंटवारे की बातचीत के लिए पलानीस्वामी को बुलाया है। एक बयान में द्रमुक के प्रधान सचिव ने कहा, यदि अन्नाद्रमुक तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कर रही है तो सीट बंटवारे की वार्ता चेन्नई स्थित उसके मुख्यालय में होनी चाहिए थी, लेकिन पलानीस्वामी अमित शाह के आवास पर बातचीत कर रहे हैं। गठबंधन का नेतृत्व करने वाली पार्टी के कार्यालय में एक बार भी सीट बंटवारे पर चर्चा नहीं हुई, न ही पलानीस्वामी के चेन्नई स्थित आवास पर। नेहरू ने सवाल किया कि क्या यह बैठक रॉयपेट्टा स्थित उस मुख्यालय में नहीं हो सकती थी, जिसे अन्नाद्रमुक के दिवंगत संस्थापक एम जी रामचंद्रन ने बनवाया था।

अन्नाद्रमुक चार दिन में सीट बंटवारे को अंतिम रूप देगी, निर्वाचन क्षेत्रों की घोषणा करेगी : पलानीस्वामी

नई दिल्ली/चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अन्य घटक दलों के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप देगी तथा दलों को आवंटित निर्वाचन क्षेत्रों की औपचारिक घोषणा चार दिन में कर देगी। पलानीस्वामी ने बृहस्पतिवार रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की थी। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने कहा कि शाह के साथ उनकी बैठक सौहार्दपूर्ण रही और दोनों ने तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा की। उन्होंने बातचीत में किसी भी तरह की बाधा से इनकार करते हुए कहा कि इसका सौहार्दपूर्ण समाधान निकल जाएगा।

राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व अन्नाद्रमुक कर रही है। इसके घटक दलों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) और पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) शामिल हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने चेन्नई रवाना होने से पहले संवाददाताओं से कहा, ''आपको चार दिन में सब पता चल जाएगा। हम आवंटित निर्वाचन क्षेत्रों के संबंध में घोषणा करेंगे। यहां यह (बातचीत) द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) गठबंधन की तरह नहीं है। हमारी बातचीत सुचारू और पूरी तरह व्यवस्थित होगी... हमारा उद्देश्य अपने सहयोगियों को वे सीट आवंटित करना है, जहां उनके जीतने की अच्छी संभावनाएं हैं।'' उन्होंने कहा कि भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रभारी पीयूष गोयल बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए शनिवार को राज्य का दौरा करेंगे। पलानीस्वामी ने विजय नीत तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन वार्ता को मीडिया की अटकल करार देते हुए कहा, ''मैं अन्नाद्रमुक महासचिव के रूप में कहता रहा हूं कि हमने टीवीके के साथ बातचीत नहीं की है। आप इस मुद्दे को बार-बार क्यों उठाते रहते हैं?'' किसी अन्य दल के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर पलानीस्वामी ने कहा कि किसी नये दल के राजग में शामिल होने की संभावना नहीं है क्योंकि गठबंधन तय हो चुका है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की एक योजना की आलोचना करते हुए अभिनेत्री नयनतारा पर अन्नाद्रमुक के राज्यसभा सदस्य सी. वी. षणमुगम की हालिया विवादास्पद टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर पलानीस्वामी ने कहा, ''उन्होंने (षणमुगम ने) अपनी गलती का एहसास होने के बाद माफी मांग ली है। इसलिए इस पर आगे चर्चा करना उचित नहीं होगा।'' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी का चुनावी घोषणापत्र एक सप्ताह में जारी किया जाएगा। पलानीस्वामी पहले ही कुछ चुनावी वादे कर चुके हैं, जिनमें द्रमुक शासन के दौरान उत्पन्न आर्थिक कठिनाई से उबरने के लिए लोगों को 10,000 रुपये की एकमुश्त सहायता देने का वादा शामिल है।

यह पूछे जाने पर कि अभिनेता विजय की टीवीके और पूर्व फिल्म निर्देशक सीमन की नाम तमिलर काची (एनटीके) की मौजूदगी से क्या मुकाबला कठिन हो जाएगा, पलानीस्वामी ने कहा कि चुनावी लड़ाई केवल अन्नाद्रमुक नीत राजग और भ्रष्ट द्रमुक के बीच है। तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, द्रमुक सरकार की एकमात्र उपलब्धि भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून-व्यवस्था है। इसने राज्य के लिए कोई नयी योजना नहीं शुरू की है।'' इस बीच, अन्नाद्रमुक की सहयोगी पार्टी एएमएमके के महासचिव टी. टी. वी. दिनाकरन ने मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें उन्होंने पलानीस्वामी की शाह से मिलने के लिए दिल्ली यात्रा का मजाक उड़ाया था।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 03-MYS-2026
दिनांक: 13.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	इन्फ्रा-रेड थर्मो विशन कैमरा (निविदा सं. L9265178)	रु. 51,71,834.00
2	100 केवीए ड्राई टैप कॉम्पाक्ट सब-स्टेशन (सीएसएस) (निविदा सं. L9256075A)	रु. 57,06,125.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 06.04.2026, 10:30 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक/
PUB/1002/AAMO/PRB/SWR/2025-26 मैसूरु

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। **रेलओन** इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/102
दिनांक: 11.03.2026

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	मैसूरु विभाग पर स्टेशन यार्डों पर अतिरिक्त हाई मॉस्ट।	रु. 2,80,44,427/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 01.04.2026, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/103
दिनांक: 13.03.2026

2	(पुनर निविदा) मैसूरु विभाग पर 3 साल की अवधि के लिए एयर कंडीशनरों के लिए एएमसी।	रु. 29,22,739.44/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 03.04.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/
PUB/1006/AAMO/PRB/SWR/2025-26 सामान्य/मैसूरु

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। **रेलओन** इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

मंथन

शुक्रवार को बेंगलूरु के एक प्राइवेट होटल में एआईएसी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ दावणगेरे और बागलकोट में होने जा रहे विधानसभा उपचुनावों को लेकर उम्मीदवारों के चयन के बारे में चर्चा की। इस मौके पर एआईएसी के सचिव अभिषेक दत्त भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत नव जीवन की शुरुआत, आयुर्वेद समग्र जीवन विज्ञान : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षांत केवल उपाधि प्रदान करने का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के नव जीवन की शुरुआत का महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि यह वह समय होता है जब विद्यार्थी अर्जित ज्ञान को समाज और राष्ट्र के उत्थान में उपयोग करने के लिए तैयार होते हैं। राज्यपाल बागड़े शुक्रवार को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नवम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत आत्मावलोकन का भी अवसर है, जहां विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल को व्यवहार में उतारने के लिए संकल्पित होते हैं।

उन्होंने आयुर्वेद की व्याख्या करते हुए कहा कि 'आयु' अर्थात जीवन और 'वेद' अर्थात विज्ञान, यानी आयुर्वेद जीवन का विज्ञान है। यह पंचतत्वपृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाशतथा वात, पित्त और कफ के संतुलन पर आधारित समग्र स्वास्थ्य प्रणाली है।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलन के माध्यम से सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करने वाला जीवन दर्शन है। राज्यपाल ने कहा कि वेदों और प्राचीन ग्रंथों में चिकित्सा विज्ञान के समृद्ध संदर्भ मिलते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद का विशेष स्थान रहा है, जो आज भी जीवनशैली जनित रोगों के समाधान में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से जूझती दुनिया के लिए आयुर्वेद मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सेवा भाव को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाएं और 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के सिद्धांत को अपनाते हुए समाज के स्वास्थ्य संवर्धन में योगदान दें। उन्होंने कहा कि चिकित्सक केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि समाज को स्वस्थ जीवनशैली का मार्ग भी दिखाता है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शिक्षण, अनुसंधान एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रमाण आधारित अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक स्तर पर आयुष पद्धतियों के प्रसार पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न महाविद्यालयों, अनुसंधान कार्यों, ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा शिविरों, स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ किए गए समझौतों की सराहना की। साथ ही धन्वन्तरि वनौषधि उद्यान के विकास को भी उल्लेखनीय पहल बताया।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकसित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।इस अवसर पर राज्यपाल के कर कमलों से विश्वविद्यालय की ड्रग टेस्टिंग लेबोरेट्री का लोकार्पण किया गया।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीक्षांत समारोह केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा के पुनर्जागरण का उत्सव है। उन्होंने कहा कि आज का समय ऐसा है जब पूरा विश्व भारत के ज्ञान, विज्ञान और जीवन-दर्शन की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस उपलब्धि के पीछे उनके परिवारजनों का त्याग और परिश्रम निहित है। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन और शाश्वत ज्ञान परंपरा का हिस्सा है, जो जीवन को सार्थकता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों को व्यापक स्वीकार्यता मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पारंपरिक चिकित्सा का वैश्विक केंद्र बन रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य का सशक्त माध्यम है। यह तन, मन और आत्मा के संतुलन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि राजस्थान आयुष हब के रूप में उभर रहा है और जोधपुर इस दिशा में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। राज्य सरकार प्रदेश को हेल्थ डेस्टिनेशन बनाने के लिए कृतसंकल्पित है।

भाजपा का प्रशिक्षित कार्यकर्ता हर चुनौती का सामना करने में सक्षम : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस नीति, विचार या एजेंडा नहीं है। संसद और अन्य मंचों पर भी विपक्ष केवल और केवल हंगामा ही करता है, जबकि सार्थक चर्चा से बचता है। आज देश का विपक्ष मुद्दा विहीन है, साफ शब्दों में कहा जाए तो आज विपक्ष घेरने की स्थिति में है भी नहीं। फिर चाहे वो केंद्र हो या राज्य में, विपक्ष सिर्फ और सिर्फ हंगामा करने तथा जनता को भ्रमित करने का काम कर रहा है। राठौड़ ने कहा कि सामान्य रूप से विपक्ष का कार्य पक्ष को जनहित के मुद्दों पर घेरने का होता है, वहीं ड्डपक्ष का काम विपक्ष के घेरे से सफलता पूर्वक बाहर निकलना होता है। यहा विपक्ष पक्ष को घेरने की स्थिति में नहीं है। जबकि हमारे प्रवक्ता, पैनेलिस्ट, पार्टी पदाधिकारी, पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अपना कार्य कर रहा है।

राठौड़ ने कहा कि संसद में भी कांग्रेस सिर्फ हंगामा करती है, किसी भी विषय पर वे तर्क संगत बात नहीं करते, यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा का प्रशिक्षित कार्यकर्ता हर चुनौती का सामना करने में सक्षम है। भारतीय जनता पार्टी का प्रशिक्षण कार्यक्रम पार्टी की एक सतत और नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। समय-समय पर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं नए जुड़े सदस्यों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं, जिनमें विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाती है तथा उनके अनुभवों और सुझावों को साझा किया जाता है।

उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं को भाजपा की कार्यप्रणाली, विचारधारा और राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से अवगत कराया जाता है। राष्ट्र पहले, पार्टी बाद में और व्यक्ति सबसे अंत में की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इस क्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रेरित प्रशिक्षण महाअभियान देशभर में संचालित हो रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा सदैव चुनाव के लिए तैयार रहती है। चुनाव की तिथि घोषित करना निर्वाचन आयोग का कार्य है, और जैसे ही आचार संहिता लागू होती है, पार्टी पूर्ण रूप से चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेषकर युद्ध के प्रभाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी युद्ध से वैश्विक स्तर पर नुकसान होता है, लेकिन भारत में आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारें पूरी तरह सतर्क हैं और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह कृत्रिम कमी का माहौल बनाकर अफरा-तफरी फैलाने का प्रयास करता है, जबकि वास्तविकता में आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में सभी को मिलकर देशहित में कार्य करना चाहिए और जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए।

मेट्रो परियोजनाओं का समय अनुकूल विकास और नियंत्रित लागत जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर शहर के आमजन को मेट्रो के जरिये सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर काम कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को जयपुर मेट्रो के विस्तार फेज की प्लानिंग में सभी प्रमुख स्थानों को शामिल करने एवं जनसंख्या घनत्व को ध्यान में रखकर नवीन मेट्रो फेज की दिशा में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर मेट्रो के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर मेट्रो परियोजनाओं का समय अनुकूल विकास एवं नियंत्रित लागत बेहद जरूरी है। इसी क्रम में घनी आबादी क्षेत्र के लिए मेट्रो विस्तार फेज को वर्तमान मेट्रो लाईन्स से जोड़ने की कार्ययोजना को प्रमुखता से बनाया जाए।

उल्लेखनीय है कि बजट वर्ष 2025-26 में जगतपुरा एवं वैशाली नगर क्षेत्रों में मेट्रो के विस्तार हेतु डीपीआर बनाने की घोषणा की गई थी, जिसके क्रम में जयपुर मेट्रो के अधिकारियों ने प्रस्तावित एलाइनमेंट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बढ़ती आबादी को ध्यान में रखकर मेट्रो को आमेर, बगराना (आगरा रोड़), जगतपुरा एवं आईएसबीटी हीरापुरा तक विस्तार देने के लिए मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने जेडीए अधिकारियों को अरण्य भवन से जगतपुरा तक बनने वाले एलिवेटेड रोड के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए जेडीए एवं जयपुर मेट्रो आपसी सामंजस्य से काम करें।

शर्मा ने मेट्रो फेज-2, फेज-1सी (बड़ी चौपड़-ट्रांसपोर्ट नगर) एवं फेज-1डी की प्रगति का भी विवरण लिया।

इस दौरान अधिकारियों ने प्रजेंटेशन के जरिये मेट्रो परियोजना की विभिन्न कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त एवं प्रबंध निदेशक राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड वैभव गालरिया, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण सिद्धार्थ महाजन सहित जयपुर मेट्रो एवं जेडीए के अधिकारी उपस्थित रहे।

कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। राजस्थान कई इलाकों में एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से हल्की से मध्यम बारिश हुई जिससे राज्य में तापमान में भी गिरावट आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार शुक्रवार सुबह तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राज्य के अनेक भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की-मध्यम बारिश हुई। इसने बताया कि सर्वाधिक 25 मिलीमीटर बारिश बीकानेर के नोखा में हुई। अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से दो-आठ डिग्री सेल्सियस कम रहा। आईएमडी के अनुसार, आज यानी शुक्रवार को पश्चिमी विक्षोभ का मुख्य असर उत्तर-पूर्वी राजस्थान के भरतपुर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में जारी रहने तथा शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। वहीं एक और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में 21-22 मार्च को भी हल्की बारिश/बूंदाबांदी हो सकती है। शेष अधिकांश भागों में आगामी चार-पांच दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। मौसम केंद्र के अनुसार आगामी दो-तीन दिन में अधिकतम तापमान में दो-तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने तथा इसके सामान्य से दो-चार डिग्री नीचे रहने का अनुमान है।

गणगौर पूजन में गूंजे घुड़ला के पारम्परिक गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। अखंड सुहाग की कामना के लिए महिलाओं की ओर से मनाया जाने वाला प्रमुख गणगौर पूजन पर्व इन दिनों सूर्यनगरी में श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। होली के दूसरे दिन से प्रारंभ हुआ यह पारंपरिक उत्सव 21 मार्च को गणगौरी तीज के दिन उद्यापन से सम्पन्न होगा। पूजन के समापन पर होने वाले उद्यापन को लेकर नवविवाहित तीजणियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। गणगौर पर्व के तहत आयोजनों ने शहर के सांस्कृतिक रंग और परंपराओं की जीवंतता को फिर से सजीव कर दिया है। महिलाएं प्रतिदिन पारंपरिक वेशभूषा में सोलह श्रृंगार कर गणगौर माता की विधिवत पूजा-अर्चना कर रही हैं। लोकगीतों की मधुर स्वर लहरियां पूरे वातावरण को भक्तिमय बना रही हैं। इसी कड़ी में डोडीदारों का मोहल्ला स्थित पीपलिया मंदिर की महिला मंडल समिति ने गुरुवार शाम गणगौर महोत्सव को लोक-भाव और पारंपरिक आभा के साथ जीवंत कर दिया। मुहल्ले-भर से जुटी महिलाएँ, युवतियाँ और बालिकाएँ मंगला-गणगौर के सोहर-जैसे गीत गाते हुए सामूहिक महिला-संगीत में रम गईं। घूँघट, गोरबंद और कुमकुम से सजी थालियों के बीच ईसर-गणगौर पूजन हुआविवाहित स्त्रियों ने सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की, युवतियों ने सुयोग्य वर पाने की प्रार्थना की।

ज्ञान का प्रकाश समाज तक पहुंचाना युवाओं का दायित्वः राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्रदान करने का अवसर मात्र नहीं बल्कि यह विद्यार्थियों के नव जीवन में प्रवेश का महत्वपूर्ण क्षण है। बागड़े ने कृषि विश्वविद्यालय-जोधपुर के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में दीक्षांत 'समावर्तन संस्कार' के रूप में जाना जाता था, जिसमें विद्यार्थी को समाज के लिए समर्पित जीवन जीने का संदेश दिया जाता था। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का प्रकाश समाज के प्रत्येक कोने तक पहुंचाना विद्यार्थियों का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग राष्ट्र और समाज के विकास के लिए करें तथा जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर सतत प्रयास करते रहें।

उन्होंने शिक्षा को जीवन का आलोक पथ बताते हुए कहा कि यही वह माध्यम है जिससे व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ समाज और विश्व को भी प्रकाशित करने की क्षमता प्राप्त करता है। राज्यपाल ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और देश की बड़ी आबादी इससे जुड़ी हुई है। उन्होंने विश्वविद्यालय से अपेक्षा की कि वह कृषि एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार आधारित शोध को बढ़ावा दे, जिससे स्थानीय जलवायु के अनुरूप उन्नत खेती को प्रोत्साहन मिल सके।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में कृषि क्षेत्र में नयी चुनौतियों के समाधान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन एवं रोबोटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। एक बयान के अनुसार बागड़े ने प्राकृतिक खेती की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की सेहत प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने और इसके प्रति जागरुकता बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि यह प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में एक महत्वपूर्ण संकल्प का क्षण होता है। शेखावत ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान, शिक्षकों का मार्गदर्शन और वर्षों की मेहनत के साथ-साथ अभिभावकों के त्याग एवं तपस्या का यह परिणाम है। अब यह युवाओं का दायित्व है कि वे अपने ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने में करें। इस अवसर पर राज्यपाल ने सावंत कुआं, बावड़ी स्थित डेयरी एवं खाद प्रौद्योगिकी महाविद्यालय तथा प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के छात्रावासों का लोकार्पण किया तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन भी किया।

राजस्थान सरकार ने 25 आईएएस व नौ आईपीएस के तबादले किए

जयपुर। राजस्थान सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 25 व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के नौ अधिकारियों के तबादले किए हैं। कार्मिक विभाग के आदेश में यह जानकारी दी। आदेश के अनुसार, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वी सरवन कुमार को जयपुर का संभागीय आयुक्त नियुक्त किया गया है। आईएएस पूनम को जयपुर के संभागीय आयुक्त पद से तबादला महिला एवं बाल विकास विभाग में सचिव पद पर किया है।

सामाजिक न्याय व आधिकारिकता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा अब खान एवं पेट्रोलियम विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव होंगी। राजस्व मंडल के अध्यक्ष हेमंत गेरा का जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में प्रमुख शासन सचिव पद पर तबादला किया गया है। इस आदेश के तहत कई अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव भी किया गया है। इसके साथ ही एक अन्य आदेश के तहत भारतीय पुलिस सेवा के नौ अधिकारियों के भी तबादले/पदस्थापन किए गए हैं। इनमें जयपुर ग्रामीण, बाड़मेर, चूरू, झुंझुनू व सवाई माधोपुर में नए जिला पुलिस अधीक्षक लगाए गए हैं।

मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने ग्रीष्म में पेयजल आपूर्ति सुचारु बनाये रखने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू- जल विभाग एवं डीडवाना-कुचामन जिले के प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक में वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 की बजट घोषणाओं,विकास कार्यों, फ्लैगशिप योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की।

प्रभारी मंत्री चौधरी ने माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में की गई बजट घोषणाओं को जनहित से जुड़ा बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान प्रभारी मंत्री ने जिले में बजट घोषणा 2024-25 व 2025-26 के कार्यों एवं बजट घोषणा 2026-27 के भूमि आवंटन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। प्रभारी मंत्री चौधरी ने जिले में सड़क निर्माण कार्यों, रीको से जुड़े कार्यों, चिकित्सा संस्थानों के निर्माण कार्यों तथा विद्यालयों में चल रहे मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने पंच गौरव कार्यक्रम के तहत किये गए कार्यों की भौतिक प्रगति एवं आगामी कार्य योजना की समीक्षा कर बास्केटबॉल खेल को बढ़ावा देने, प्याज की उन्नत किस्मों को प्रोत्साहित करने एवं खेजड़ी का संरक्षण करने की बात कही। उन्होंने बैठक में पशुपालन, सहकारिता, कृषि व उद्यानिकी, शिक्षा व पंचायतीराज विभाग के कार्यों व योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक कार्य प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का भी निर्धारित समय में निस्तारण करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने ग्रीष्म ऋतु के मध्यनजर जिले में पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा प्रबंधन एवं एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि समर कंटेन्जेंसी प्लान के अनुसार सभी हैंडपम्प कार्यशील रखे जाएं, ट्यूबवेल एवं टैंकर व्यवस्था सुदृढ़ की जाए तथा पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को पाइपलाइन कार्यों के लिए टेंडर संबंधित कार्य भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने चिकित्सा विभाग को मौसमी बीमारियों एवं हीटवेव से बचाव के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा आमजन के लिए एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए।उन्होंने जिले में एलपीजी आपूर्ति व वितरण की समीक्षा कर जिला रसद अधिकारी को घरेलू गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं दुरुपयोग पर सख्त निगरानी रखते हुए त्वरित कार्रवाई करने को कहा।

इस दौरान प्रभारी मंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं से संबंधित कार्यों की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर जल्द कार्य प्रारंभ करें तथा निर्माणाधीन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। साथ ही, जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त सुझावों एवं शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मानवता के लिए समर्पित चिकित्सा ही जीवन का पुनर्निर्माण : राज्यपाल आनंदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि जब चिकित्सा विज्ञान मानवता के कल्याण हेतु समर्पित होता है, तब वह जीवन के पुनर्निर्माण का माध्यम बन जाता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज यहां रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम चैरिटेबल अस्पताल, वृंदावन धाम के नवनिर्मित ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया और इस मौके पर राज्यपाल पटेल भी मौजूद थीं। लोक भवन की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक इस अवसर पर

आनंदीबेन पटेल ने वृंदावन की पावन धरा को सेवा एवं करुणा की भूमि बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के आदर्श को रामकृष्ण मिशन पिछले 118 वर्षों से साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक छोटे सेवा केंद्र से 400 बिस्तरों की सुविधा वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तक की यात्रा सेवा के विराट स्वरूप का उत्कर्ष है। राज्यपाल ने कहा, जब चिकित्सा विज्ञान मानवता के कल्याण हेतु समर्पित होता है, तब वह जीवन के पुनर्निर्माण का माध्यम बन जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह ऑन्कोलॉजी ब्लॉक असंख्य मरीजों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। पटेल ने इस कार्य में संलग्न संन्यासियों, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, स्वास्थ्य कर्मियों तथा दानदाताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन सुरक्षा से आंकी जाती है, इसलिए स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को समग्र विकास का मूल आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत बजट में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सीटों के विस्तार तथा पूंजी निवेश के साथ-साथ आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए पर्याप्त संसाधन सुनिश्चित किए गए हैं। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि अस्पताल केवल उपचार का केंद्र न रहकर मानवीय संवेदनाओं के तीर्थस्थल बनें, जहां रोग के साथ-साथ भय और असुरक्षा से भी मुक्ति मिल सके। उन्होंने सभी से ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया, जहां स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार हों और सेवा, करुणा एवं मानवता प्रत्येक कार्य का आधार बने।

वृंदावन का प्रत्येक कण श्रीकृष्ण की लीलाओं का साक्षी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

मथुरा/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वृंदावन की पावन धरा को दिव्यता और भक्ति का जीवंत प्रतीक बताते हुए कहा कि यहां का प्रत्येक कण भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का साक्षी है। मथुरा जिले में वृंदावन धाम स्थित रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम चैरिटेबल अस्पताल के नवनिर्मित ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन करने के बाद मुर्मू ने अपने संबोधन में वृंदावन की पावन धरा को दिव्यता और भक्ति का जीवंत प्रतीक बताते हुए कहा कि यहां का प्रत्येक कण भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का साक्षी है। उन्होंने मथुरा-वृंदावन की इस भूमि को सदियों से संतों और भक्तों को आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने वाली तपोभूमि बताया। जनकल्याण हेतु समर्पित एक उत्कृष्ट चिकित्सा केंद्र का इस पावन भूमि पर विकास अत्यंत पुण्य और प्रेरणादायक कार्य है। राष्ट्रपति ने रामकृष्ण मिशन को आध्यात्मिक चेतना और मानवीय सेवा के संगम का सशक्त प्रतीक बताते हुए कहा कि मिशन ने नर सेवा ही नारायण सेवा के संदेश को अपने कर्म और आचरण से साकार किया है।

सिक्किम में दो बार आया भूकंप, कोई हताहत नहीं

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के गंगटोक में शुक्रवार तड़के 3.6 और 2.7 तीव्रता के दो भूकंप आए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, सुबह चार बजकर 26 मिनट पर 3.6 तीव्रता का भूकंप गंगटोक से लगभग 10.7 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में पांच किलोमीटर की गहराई पर आया। इसके बाद 2.7 तीव्रता का एक और भूकंप शहर से 11.2 किलोमीटर पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के किसी भी हिस्से से किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण, केंद्र और राज्य मिलकर काम करें : मनोहर लाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करने का आह्वान किया। 'भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026' में आयोजित एक मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिजली के उत्पादन, पारेषण और वितरण की पूरी प्रक्रिया को और अधिक बेहतर और किफायती बनाना होगा।

उन्होंने इसके लिए केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल का आह्वान किया। बिजली मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, दुनिया भर में जारी अनिश्चितताओं के बीच ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को समझते हुए, मंत्री ने प्रति व्यक्ति बिजली की खपत बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव की प्रक्रिया को तेज करने पर बल दिया। मंत्री ने परमाणु ऊर्जा को भी बिजली का एक साफ-सुथरा जरिया बताया और 'शांति अधिनियम' (भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा का सतत उपयोग और विकास) को इस दिशा में एक बड़ा कदम करार दिया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नायक ने की। इस अवसर पर बिजली मंत्री ने वितरण कंपनियों की एक रिपोर्ट भी जारी की। यह रिपोर्ट दिखाती है कि कौन सी कंपनी ग्राहकों को कितनी बेहतर सुविधाएं दे रही है। इसमें सही समय पर मीटर लगाना, सही बिल देना और ग्राहकों की शिकायतों को जल्दी सुलझाने जैसे पैमानों पर कंपनियों की रैंकिंग की गई है।

नीतीश कुमार ने जद(यू) अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दल (यूनाइटेड) अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। वह राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के साथ राष्ट्रीय राजनीति में वापसी की तैयारी कर रहे हैं। जद(यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने बृहस्पतिवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में कुमार का नामांकन प्रस्तुत किया। झा कुमार के प्रस्तावकों में से एक हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नामांकन दाखिल करने के लिए दिल्ली नहीं आए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कुमार का निर्विरोध निर्वाचित होना तय है, क्योंकि इस पद के लिए किसी और के नामांकन दाखिल करने की संभावना नहीं के बराबर है। जद(यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि इस पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 22 मार्च है, जबकि उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 24 मार्च है। उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच 23 मार्च को की जाएगी। उन्होंने बताया, यदि कोई अन्य उम्मीदवार नामांकन दाखिल करता है, तो मतों की गिनती 27 मार्च को होगी।

शुभेंदु अधिकारी ने ममता पर चुनाव आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को ममता बनर्जी पर मुख्यमंत्री के लेटरहेड का इस्तेमाल राजनीतिक पत्राचार के लिए करने पर चुनाव आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मांग की कि निर्वाचन आयोग तत्काल उनके विरुद्ध कार्रवाई करे। उन्होंने तर्क दिया कि एक बार आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू हो जाने के बाद, प्रशासनिक कर्तव्यों और पार्टी की राजनीति के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना आवश्यक है।

भाजपा नेता अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर के महिसादल में पत्रकारों से कहा, ''चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद, वह मुख्यमंत्री के पैड का इस्तेमाल करके राजनीतिक पत्र नहीं लिख सकतीं। वह तृणमूल कांग्रेस के पैड पर जितना चाहे लिख सकती हैं... लेकिन मुख्यमंत्री के पैड का इस्तेमाल करना चुनाव आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है।'' अपने गढ़ नंदीग्राम से विधानसभा चुनाव लड़ने के साथ ही अधिकारी भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में बनर्जी के विरुद्ध चुनाव मैदान में हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में पत्र लिखकर निर्वाचन आयोग के कामकाज पर 'गहरा आश्चर्य' व्यक्त किया था। बनर्जी ने आरोप लगाया था कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग ने मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी और कई जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों समेत कई वरिष्ठ राज्य अधिकारियों का ''एकतरफा'' तबादला कर दिया था। आरोप है कि बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखने के लिए मुख्यमंत्री के आधिकारिक पैड का इस्तेमाल किया।

राज्य की भाजपा सरकार अमेठी के साथ कर रही भेदभाव : शर्मा

अमेठी/भाषा। उप्र के अमेठी से सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता किशोरी लाल शर्मा ने सत्तारूढ़ भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार उनके संसदीय क्षेत्र के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने दावा किया पूर्व में तमाम संस्थानो को यहां से हटाने के बाद अब सेना भर्ती कार्यालय (बीआरओ) को हटाने का प्रयास किया जा रहा है और इस मामले को उन्होंने सदन में भी उठाया है। अमेठी के दौरे पर आये किशोरी लाल शर्मा ने गौरीगंज में आयोजित दिव्यांग शिविर में हिस्सा लेने के पत्रकारों से कहा कि पूर्व में अमेठी से मेगा फूड पार्क, नेशनल पेपर मिल, राजीव गांधी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान सहित तमाम संस्थाओं को हटा दिया गया।

चुनावी घोषणा पत्र में तृणमूल के 10 वादे : 'दुआरे चिकित्सा' की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपना घोषणापत्र जारी किया जिसमें मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं के दायरे को व्यापक बनाने, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित 10 वादे किए गए हैं। पार्टी ने इस घोषणापत्र के माध्यम से अपने मजबूत महिला समर्थक आधार को अपने पाले में बनाये रखने का प्रयास भी किया है।

पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए जिन 10 ''प्रतिज्ञाओं'' की घोषणा की उनमें महिलाओं के लिए लक्ष्मीर भंडार योजना में 500 रुपए की वृद्धि और राज्य के हर प्रखंड में स्वास्थ्य शिविरों का आरंभ शामिल है। राज्य के मतदाताओं में लगभग आधी महिलाएं हैं और पिछले एक दशक से उन्हें तृणमूल कांग्रेस की चुनावी सफलता की रीढ़ माना जाता है।

इस घोषणापत्र में सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता, युवाओं को सहयोग और कृषि पर भी विशेष जोर दिया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए प्रयासरत हैं। बनर्जी ने कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस की सत्ता बरकरार रहने पर ये प्रतिबद्धताएं अगले पांच वर्षों के लिए शासन के खाका के रूप में काम करेंगी। उन्होंने कहा, ''घोषणापत्र में किए गए वादों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास का पहिया बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ता रहे और खुशियों की रोशनी मेरे प्यारे बंगाल के हर घर तक पहुंचे।'' घोषणापत्र के केंद्र में लक्ष्मीर भंडार योजना का विस्तार है जो तृणमूल कांग्रेस सरकार की महिलाओं के लिए प्रमुख कल्याणकारी पहलों में से एक है और पार्टी के महिला समर्थन आधार को मजबूत करने का श्रेय इसे ही जाता है।

बंगाल चुनाव के बाद केंद्र सरकार एनआरसी और जनगणना के नाम पर लोगों की नागरिकता छीनेगी : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और जनगणना के नाम पर ''लोगों की नागरिकता छीनने'' की योजना बना रही है। बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र जारी होने के दौरान प्रेसवार्ता में दावा किया कि चुनाव से पहले राज्य में ''अनौपचारिक राष्ट्रपति शासन'' लागू कर दिया गया है। उन्होंने दावा किया, ''केंद्र सरकार चुनाव के बाद एनआरसी और जनगणना के नाम पर लोगों की नागरिकता छीनने की योजना बना रही है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को ऐसे प्रयासों के प्रति सतर्क रहना चाहिए। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर, भाजपा को आगामी लोकसभा चुनाव जीतने में मदद करने के लिए परिसीमन कवायद की योजना बना रही है। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाया कि उसने चुनाव से पहले भाजपा के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए राज्य के अधिकारियों का तबादला कर दिया है।

ओडिशा के गंजाम जिले में स्थित मटिखला गांव सौर ऊर्जा से चलने वाला गांव बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरहमपुर/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले का एक गांव 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत सौर ऊर्जा आधारित आवासीय बस्ती में तब्दील हो गया है, जहां लगभग पचास प्रतिशत घरों की छतों में सोलर पैनल लगाए गए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

मटिखला गांव में 450 घरों में से करीब 200 घरों में 'यूटिलिटी-लेड एग्रीगेशन' (यूएलए) मॉडल के तहत सौर ऊर्जा पैनज लगाए गए हैं, जिसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और बिजली खर्च कम करना है।

गंजाम के जिलाधिकारी वी कीर्ति वासन और छत्रपुर के विधायक कृष्ण चंद्र नायक ने टाटा पावर सदर्न ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीएसओडीएल) के अधिकारियों की मौजूदगी में इस सौर ऊर्जा आधारित गांव का उद्घाटन किया। अधिकारियों के अनुसार, योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी के घर पर एक किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम लगाया गया है, जिससे बिजली खर्च में कमी आएगी और पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। पिछले साल शुरू किए गए यूएलए मॉडल के तहत लाभार्थियों को पैनल, मीटर और इंस्टॉलेशन की लागत के लिए 5,622 रुपए का योगदान देना होता है। गंजाम जिला प्रशासन ने पात्र परिवारों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की है। टीपीएसओडीएल परियोजना के क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी निभा रही है, जिसमें इंस्टॉलेशन और गुणवत्ता सुनिश्चित करना शामिल है। कंपनी सोलर पैनल पर 25 साल और अन्य उपकरणों पर पांच साल की वारंटी भी दे रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि लाभार्थियों को कम दरों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलेगी और उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस योजना के तहत सोलर सिस्टम अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पंचायत स्तर पर सौर ऊर्जा के विस्तार के लिए संबंधित पक्षों के साथ मिलकर सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

वाराणसी में निजी विवाद को लेकर कॉलेज के छात्र की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित उदय प्रताप कॉलेज के परिसर में शुक्रवार को आपसी विवाद के चलते एक छात्र की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान सूर्य प्रताप सिंह (22) के रूप में हुई है। पुलिस उसे तुरंत अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला दो छात्रों के बीच आपसी रंजिश का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि यह घटना आपसी दुश्मनी का परिणाम है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान मंजीत सिंह चौहान के रूप में हुई है, जो वाराणसी का निवासी है और घटना के बाद से फरार है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छह टीमों का गठन किया गया है। साथ ही, इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने जलुकबाड़ी से नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी के तौर पर शुक्रवार को जलुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किया। 2001 से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे शर्मा ने लगातार छठी बार यहां से नामांकन दाखिल किया है। नामांकन के दौरान शर्मा के साथ उनकी पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा, बेटा नंदिल विश्व शर्मा और गुवाहाटी से भाजपा की सांसद बिजुली कालिता मेधी मौजूद थीं।

नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले मुख्यमंत्री ने एक वाहन पर सवार होकर खानापारा क्षेत्र के वेटरिनरी फील्ड से लगभग 5.6 किलोमीटर दूर कामरूप (महानगर) जिला निर्वाचन कार्यालय तक रैली निकाली जहां उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पहले मुख्यमंत्री ने अपनी मां मृणालिनी देवी का आशीर्वाद लिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, शुभ काम की शुरुआत हमेशा मां के आशीर्वाद से होनी चाहिए। इन दिनों मैं उनके साथ अधिक समय नहीं बिता पाता, लेकिन उनका आशीर्वाद मुझे 'आई असोमी' (मां असम) की सेवा जारी रखने की शक्ति देता है। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद शर्मा ने लोगों से उनका और भाजपा व उसके दो सहयोगी दलों असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के सभी उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिसीमन के दौरान उनके निर्वाचन क्षेत्र में कुछ नए इलाके जोड़े गए हैं।

खेलों के लिए ओडिशा के प्यार को देखेगी दुनिया: मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर/भाषा। विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैम्पियनशिप 2028 की मेजबानी करने जा रहे ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया खेलों के लिए ओडिशा के प्यार को देखेगी । उन्होंने कहा कि ओडिशा को दुनिया भर से खिलाड़ियों और प्रशंसकों के स्वागत कर इंतजार है। विश्व एथलेटिक्स परिषद ने 2028 में होने वाली चैम्पियनशिप की मेजबानी भारत को दी है और इसका आयोजन ओडिशा में होगा । माझी ने एक्स पर लिखा ,'' यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैम्पियनशिप 2028 की मेजबानी ओडिशा को मिली है । इसके साथ ही भारत में 22 साल बाद यह चैम्पियनशिप हो रही है । इससे साबित होता है कि भारत वैश्विक खेल केंद्र के रूप में उभर रहा है और हम विश्व स्तरीय श्रेष्ठता को लेकर प्रतिबद्ध हैं ।'' उन्होंने खेलों के 'इकोसिस्टम' को मजबूत करने में लगातार मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी धन्यवाद दिया।

मेरी नजर ट्रॉफी पर है, आपसी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान दे रहे हैं : श्रेयस अय्यर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोहाली/भाषा। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने शुक्रवार को कहा कि उनकी ''नज़र ट्रॉफी पर है'' और उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले मैदान के बाहर आपसी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

अय्यर ने मोहाली में फ्रेंचाइजी की जर्सी के अनावरण समारोह में कहा, ''यह वह समय है जब हम दो महीने तक एक परिवार की तरह रहते हैं। जितना अधिक समय हम साथ बिताते हैं, उतना ही हम एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जान पाते हैं। यही वह समय है जब हम अपने बीच सौहार्दपूर्ण संबंध मजबूत करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम अपना अधिकतर समय गेम रूम में फीफा और अन्य गेम खेलते हुए बिताते हैं। मैचों के लिए रणनीति आमतौर पर मैच से एक या दो दिन पहले बनती है, लेकिन मैदान के बाहर यह मजबूत रिश्ता हमें आखिर में बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद करता है।'' पंजाब किंग्स अपने अभियान की शुरुआत 31 मार्च को घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करेगा। अय्यर को उनके प्रशंसकों ने 'सरपंच साहब' का उपनाम दिया है और वह जानते हैं कि उनसे काफी उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा, ''हमसे काफी उम्मीद की जा रही है जो अच्छा भी है। मुझे चुनौती पसंद है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि जब भी हम मैदान में उतरें, हमें जीतना होगा। मेरी नज़र ट्रॉफी पर है।'' अय्यर को हाल के दिनों में चोटों से भी जूझना पड़ा लेकिन अब वह पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने कहा, ''चोट के बाद वापसी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। मेरा वजन लगभग सात किलो कम हो गया था और उसे वापस पाने में काफी मेहनत लगी। लेकिन मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मुझे खुशी है कि मैंने अपने जीवन के उस दौर को पार कर लिया है और मैं पूरी तरह फिट होकर टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए यहां वापस आया हूं।''

अब कमेंट्री नहीं करेंगे लक्ष्मण शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व लेग स्पिनर और अनुभवी क्रिकेट विशेषज्ञ लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कमेंट्री पैनल से हटने की घोषणा की। उन्होंने टॉस और पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान उद्घोषक की भूमिका में अवसरों की कमी को अपने कमेंट्री करियर को समाप्त करने का कारण बताया।

शिवरामकृष्णन ने 1980 के दशक की शुरुआत में 17 साल की उम्र में अपनी दमदार लेग-स्पिन गेंदों, गूगली और टॉप स्पिन से हलचल मचा दी थी। भले ही उनका क्रिकेट करियर लंबा नहीं चला लेकिन इसके बाद उन्होंने कमेंटेटर के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। शिवरामकृष्णन ने ट्वीट की एक शृंखला में अपनी निराशा व्यक्त की, जिससे पता चलता है कि वह अपने काम से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ''मैं बीसीसीआई के लिए कमेंट्री से संन्यास ले रहा हूं।'' शिवरामकृष्णन ने कहा, ''पिछले 23 वर्षों से मुझे टॉस और पुरस्कार वितरण समारोह के लिए नहीं भेजा गया। जबकि नए लोग पिच रिपोर्ट, टॉस और पुरस्कार वितरण समारोह के लिए भेजे जाते रहे। मुझे उस समय भी नहीं भेजा गया जब रवि शास्त्री कोचिंग कर रहे थे, तो इसका मतलब क्या हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई के अधिकार रखने वाली कंपनी का क्या हाल होता है कोई भी इसका अंदाजा लगा सकता है। मेरा संन्यास लेना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन टीवी प्रोडक्शन की एक नई कहानी सामने आ रही है। जल्द ही आपके सामने पूरी तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी।''

सुविचार

विश्वास कांच की तरह होता है; एक बार टूट जाए तो दरारें हमेशा के लिए रह जाती हैं। इसे कभी टूटने न दें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खाटू नगरी पर आईएसआई ऑकी कुष्टि!

गाजियाबाद पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार कर एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। आरोपियों के मोबाइल फोन से खाटू श्यामजी मंदिर की लोकेशन, फोटो समेत कई धार्मिक स्थलों की जानकारी मिलना इस मामले को और गंभीर बनाता है। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई को भारत में अमन-चैन बिल्कुल नहीं सुहाता है। वह पहले भी कई मंदिरों को निशाना बनाने की कोशिश कर चुकी है। अब खाटू नगरी पर उसकी कुदृष्टि है! यहां स्थित श्याम मंदिर में रोजाना ही भारी भीड़ रहती है। एकादशी और फाल्गुन मेले पर तो लाखों भक्त श्याम प्रभु के दरबार में शीश झुकाते हैं। क्या आईएसआई यहां दहशत फैलाना चाहती है? क्या मुनीर-मलिक (पाकिस्तानी सेना प्रमुख व आईएसआई प्रमुख) की शैतानी जोड़ी हिंदुस्तान का सद्भाव बिगाड़ना चाहती है? क्या पहलगाम हमले के लगभग एक साल बाद किसी और वारदात को अंजाम देने की तैयारी थी? पाकिस्तान के हुक्मरानों की इन्हीं हरकतों ने उनके हाथ में भीख का कटोरा थमा दिया। इनके पास अपनी भूखी-प्यासी जनता की भलाई के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन ये कर्ज लेकर भी जासूसी कराते हैं और आतंकवाद फैलाते हैं। मुनीर-मलिक कान खोलकर सुन लें, यह हिंदुस्तान की धरती है, जहां करोड़ों श्यामभक्त रहते हैं। ये न किसी की धमकी से डरते हैं, न किसी की दहशत से झुकते हैं। मुनीर-मलिक को महाभारत का अध्ययन करना चाहिए। करोड़ों श्यामभक्त उस महावीर की पूजा करते हैं, जिसने शीश का दान किया था। साहस, शक्ति और बलिदान इनकी भक्ति के अनिवार्य अंग हैं। पाकिस्तानी हुक्मरान भाड़े के जासूस और हनीट्रैप गिरोह चलाकर किसे चुनौती देने निकले हैं?

इतिहास साक्षी है, ऐसे कुत्सित प्रयास करने वालों का एक दिन नाश होता ही है। ये न तो अपने लोगों का भला कर सकते हैं, न कोई उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं। इनका काम वैसा ही है, जैसे प्राचीन काल में कई राक्षस यज्ञ में विघ्न डालने आते थे। वे इसी बात से खुश हो जाते थे कि 'आज तो हमने यज्ञ कुंड में हड्डियां डालकर ऋषियों को परेशान कर दिया।' जब उन दुष्टों के पाप का घड़ा भर गया तो भगवान ने उनको दंड दिया। युग बदल गया, लेकिन उनकी आदत नहीं बदली। आज मुनीर-मलिक वैसा ही कुकृत्य कर रहे हैं। कठोर दंड पाने की तीव्र इच्छा उन्हें ऐसा करने के लिए विवश कर रही है। खाटू श्यामजी वह क्षेत्र है, जो अपनी शांति और सद्भाव के लिए जाना जाता है। यहां देशभर से भक्त आते हैं। फाल्गुन मेला, जो हाल में संपन्न हुआ है, में हर साल लाखों की भीड़ उमड़ती है। उसमें दूर-दूर से श्यामभक्त पैदल ही निशान लेकर आते हैं। यहां सुरक्षा को लेकर कभी समस्या नहीं रही। श्यामभक्तों की ओर से सरकारों से कोई विशेष मांग भी नहीं रही। सारी व्यवस्थाएं जनसहयोग से होती हैं। क्या इस क्षेत्र की शांति आईएसआई को बुरी तरह खटक रही है? केंद्र व राज्य सरकार, पुलिस एवं एजेंसियों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। खाटू श्यामजी में सीसीटीवी कैमरों के जरिए संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जाए। खाटू श्यामजी की सीमा में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति का डिजिटल रिकॉर्ड होना चाहिए। इसके लिए आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों की अनिवार्यता पर विचार किया जा सकता है। धर्मशालाओं और होटलों में कमरा देते समय लोगों का सत्यापन होना चाहिए। संदिग्ध वस्तुओं की जांच-पड़ताल के लिए पुलिसकर्मियों के पास अत्याधुनिक यंत्र होने चाहिएं। पुलिस, एजेंसियों, श्यामभक्तों और स्थानीय लोगों में समन्वय होना चाहिए, ताकि कोई व्यक्ति गलत इरादों के साथ यहां आने का दुस्साहस ही न कर पाए।

ट्वीटर टॉक

सिंधी समाज न केवल अपनी कर्मठता और ईमानदारी के लिए जाना जाता है, बल्कि विभाजन की विभीषिका झेलने के बाद शून्य से शिखर तक पहुंचने का इस समाज का संघर्ष हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। भगवान झूलेलाल जी से प्रदेश की सुख-समृद्धि की मंगल कामना करता हूं।

-भजनलाल शर्मा

नारी शक्ति, स्वाभिमान और अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति, महान वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित उनका शौर्यपूर्ण इतिहास आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

सचिवालय में बांदीकुई विधायक श्री भागचंद सैनी जी, मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी , निवाई विधायक श्री रामसहाय वर्मा , सादुलपुर भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सुमित्रा पूनिया एवं राजपूत महासभा हरियाणा के अध्यक्ष मनोज तंवर राजपूत से शिष्टाचार भेंट हुई।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

लगन से बुलंदी

सोवियत रूस में रहने वाले उस बच्चे को पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। बचपन में माता-पिता का साया अपने सिर से उठ जाने के बाद जब बूढ़ी दादी के भरण-पोषण की जिम्मेवारी उस पर आन पड़ी। उसने पढ़ाई बीच में छोड़कर एक कबाड़ी के यहां नौकरी करनी शुरू कर दी। इतना सब कुछ हो जाने के बाद भी पढ़ने की उसकी इच्छा खत्म नहीं हुई। कबाड़ी के यहां रद्दी में तुलकर आने वाली किताबों को पढ़-पढ़कर उसने अपना ज्ञान बढ़ाना जारी रखा।

पुस्तक में लिखी कोई बात समझ न आने पर वह कबाड़ी से या फिर अपने वहां आने वाले ग्राहकों से उसका मतलब पूछ लेता था। फिर एक दिन ऐसा आया कि अपने विचारों को लिखकर उसने स्थानीय अखबारों को भेजना शुरू किया तो उसके विचार छपने भी लगे। संपादकों से प्रोत्साहन पाकर उसके हौसले इतने बुलंद हुए कि कालांतर में वह मैक्सिम गोर्की नामक लेखक के रूप में पूरे विश्व में प्रसिद्ध हुआ। विश्व को 'मां' जैसे कालजयी उपन्यास का तोहफा मैक्सिम गोर्की ने ही दिया था।

सामयिक

ईरान की सीमाओं पर दिख रही दर्दनाक कहानियाँ

नीरज कुमार दुबे

तेहरान से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, लोग अपने घर, अपनी जमीन, अपना सब कुछ छोड़कर निकल पड़े हैं। लेकिन यह कोई सामान्य पलायन नहीं है। यह मजबूरी का वह काफिला है जो हर कदम पर अनिश्चितता से टकरा रहा है। पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व इस समय सिर्फ युद्ध का मैदान नहीं, बल्कि इंसानी त्रासदी का सबसे खौफनाक मंच बन चुका है। ईरान पर हो रहे हमलों ने सिर्फ इमारतों को नहीं गिराया, बल्कि वहां के लोगों की जिंदगी की बुनियाद ही हिला दी है। शहरों में धुएं के गुबार हैं, सायरनों की आवाजें हैं और हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि अब जाएं तो जाएं कहां?

तेहरान से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, लोग अपने घर, अपनी जमीन, अपना सब कुछ छोड़कर निकल पड़े हैं। लेकिन यह कोई सामान्य पलायन नहीं है। यह मजबूरी का वह काफिला है जो हर कदम पर अनिश्चितता से टकरा रहा है। लाखों लोग अपने ही देश में विस्थापित हो चुके हैं और जो सीमा की तरफ बढ़ रहे हैं, उनके सामने नई मुश्किलें खड़ी हैं।

ईरान की सीमाएं आज खुली कम और उलझी ज्यादा नजर आ रही हैं। तुर्की की सीमा पर हजारों लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां उनका स्वागत नहीं, बल्कि रोक इंतजार कर रही है। सख्त जांच, सीमित प्रवेश और अस्थायी शिविरों की योजना यह साफ संकेत देती है कि पड़ोसी देश इस बार दरवाजे पूरी तरह खोलने के मूड़ में नहीं हैं। सीरिया संकट से मिली सीख ने उन्हें सतर्क बना दिया है। अजरबैजान ने कुछ सीमित राहत जरूर दी है, लेकिन यह राहत चुनिंदा लोगों तक ही सीमित है। आम ईरानी नागरिक के लिए सीमा पार करना अब किसी जुए से कम नहीं। लोग कई दिनों तक सीमा के पास फंसे रहते हैं, बिना भोजन, बिना सुरक्षा और बिना किसी भरोसे के। सबसे दर्दनाक तस्वीर उन परिवारों की है जो बंट चुके हैं। कोई सदस्य सीमा पार कर गया, तो कोई पीछे छूट गया। बच्चों की पढ़ाई ठप है, अस्पतालों में संसाधनों की कमी है और बाजारों में जरूरी सामान तक मिलना मुश्किल हो गया है। लोग शहरों से निकलकर गांवों और पहाड़ों में शरण ले रहे हैं, जहां कम से कम बमों का खतरा थोड़ा कम है। हम आपको बता दें कि ईरान के भीतर हालात हर गुजरते दिन के साथ और बदतर होते जा रहे हैं। शहरों में बिजली और पानी की आपूर्ति बार बार ठप हो रही है, अस्पतालों में दवाइयों की कमी गहराती जा रही है और सामान्य इलाज तक मिलना मुश्किल हो गया है। बाजारों में जरूरी सामान या तो गायब है या आसमान छूती कीमतों पर बिक रहा है। लोग घंटों कतारों में खड़े होकर सिर्फ रोटी और ईंधन जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठहर चुकी है और मानसिक दबाव इतना बढ़ गया है कि हर घर के भीतर डर ने स्थायी जगह बना ली है। यह सिर्फ युद्ध का असर नहीं, बल्कि धीरे धीरे टूटती एक पूरी जिंदगी की तस्वीर है। लेकिन असली झटका तब लगता है जब पड़ोसी देशों के रुख पर नजर जाती है। सहानुभूति जरूर है, बयान भी हैं, लेकिन जमीन पर दरवाजे बंद हैं। हर देश अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। उन्हें डर है कि अगर यह लहर खुली, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बन सकती है। यूरोप पहले से ही संभावित दबाव को लेकर चिंतित है। खाड़ी के देश पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। वहां हालात और भी तनावपूर्ण हैं। बहरीन में सायरन बज रहे हैं, लोगों को घरों में रहने की चेतावनी दी जा रही है। कतर और यूएई जैसे देशों में सुरक्षा इंतजाम कई गुना बढ़ा दिए गए हैं। हम आपको बता दें कि खाड़ी क्षेत्र में एक देश से दूसरे देश की यात्रा अब आसान नहीं रही। हवाई रास्तों पर खतरा मंडरा रहा है, समुद्री रास्ते तनाव से भरे हैं और हर सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है। यह सिर्फ ईरान का संकट नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता को हिला देने वाला दौर बन चुका है। विशेषज्ञों की चेतावनी और भी डरावनी है। उनका कहना है कि अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो विस्थापन का आंकड़ा विस्फोटक रूप ले सकता है। अभी जो स्थिति दिख रही है, वह सिर्फ शुरुआत हो सकती है। देखा जाये तो ईरान एक ऐसा देश रहा है जिसने वर्षों तक दूसरे देशों के शरणार्थियों को जगह दी, लेकिन आज वही देश अपने नागरिकों को बचाने में जूझ रहा है। यह विडंबना ही है कि जो कभी शरण देता था, आज खुद शरण की तलाश में है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा पीड़ित वही आम इंसान है, जिसके पास न ताकत है, न विकल्प। सीमाएं नक्शे पर खींची जाती हैं, लेकिन उनका बोझ इंसान की जिंदगी पर पड़ता है। आज ईरान की सीमाएं सिर्फ भौगोलिक रेखाएं नहीं रह गई हैं। वे डर, राजनीति और असुरक्षा की दीवार बन चुकी हैं। लोग भाग रहे हैं, लेकिन रास्ते बंद हैं। देश खड़े हैं, लेकिन दिल बंद हैं। और सबसे बड़ा सवाल अब भी वहीं है कि क्या दुनिया सिर्फ देखती रहेगी, या कोई दरवाजा सच में खुलेगा?

(साभार : प्रभासाक्षी)

कतर और यूएई जैसे देशों में सुरक्षा इंतजाम कई गुना बढ़ा दिए गए हैं। हम आपको बता दें कि खाड़ी क्षेत्र में एक देश से दूसरे देश की यात्रा अब आसान नहीं रही। हवाई रास्तों पर खतरा मंडरा रहा है, समुद्री रास्ते तनाव से भरे हैं और हर सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है। यह सिर्फ ईरान का संकट नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता को हिला देने वाला दौर बन चुका है।

बोध कथा

क्षणिक और मिथ्या होते हैं सांसारिक संबंध

एक बार संत के पास एक सत्संगी युवक आया। संत ने उससे हाल-चाल पूछा, तो उसने स्वयं को अत्यंत सुखी बताया। वह बोला, ' मुझे अपने परिवार के सभी सदस्यों पर बड़ा गर्व है। उनके व्यवहार से मैं संतुष्ट हूँ। संत बोले, तुम्हें अपने परिवार के प्रति ऐसी धारणा नहीं बनानी चाहिए। इस दुनिया में अपना कोई नहीं होता। जहां तक मां-बाप की सेवा और पत्नी-बच्चों के पालन-पोषण का संबंध है, उसे तो कर्तव्य समझकर ही करना चाहिए। उनके प्रति मोह या आसक्ति रखना उचित नहीं।' युवक को बात जँची नहीं, बोला, आपको विश्वास नहीं कि मेरे परिवार के लोग मुझ पर अत्यधिक स्नेह करते हैं। यदि एक दिन घर न जाऊँ, तो उनकी भूख-प्यास उड़ जाती है और नींद हराम हो जाती है और पत्नी तो मेरे बिना जीवित ही नहीं रह सकती। ' संत बोले, ' तुम्हें प्राणायाम तो आता ही है। कल सुबह उठने के बजाय प्राणवायु मस्तक में खींचकर निश्चेष्ट पड़े रहना। मैं आकर सब संभाल लूँगा। ' दूसरे दिन युवक ने वैसा ही किया। प्राणायाम से उसने अपनी श्वास को रोक लिया और मृत समान लेटा रहा। उसे निर्जीव जान कर घर के सब लोग विलाप करने लगे। योजना के अनुसार संत उसी समय वहाँ पहुँचे। सब लोग उनके चरणों पर गिर पड़े। संत बोले, ' आप लोग शोक मत करें। मैं मंत्र के बल पर इसे जिलाने का प्रयत्न करूँगा, किन्तु इसके लिए कटोरी भर पानी किसी को पीना पड़ेगा। उस पानी में ऐसी शक्ति होगी कि पीने वाला तो मर जाएगा, किन्तु उसके बदले यह युवक जी उठेगा।' यह सुनते ही सब एक-दूसरे का मुँह देखने लगे। पानी पीने के लिए किसी को आगे न आते देख संत बोले, ' तब मैं ही पीता हूँ। ' इस पर सब उठे, ' महाराज! आप धन्य हैं ! सचमुच संत महात्मा परोपकार के लिए ही जन्म लेते हैं। आपके लिए जीवन-मृत्यु एक समान हैं। यदि आप जिला सकें, तो बड़ी कृपा होगी।' युवक को संत के कथन की प्रतीति हो गई थी। प्राणायाम समाप्त कर वह उठ बैठा और

बोला, महाराज, आप पानी पीने का कष्ट न करें। सांसारिक संबंध क्षणिक और मिथ्या होते हैं, वह मैं जान गया हूँ। आपने सचमुच मुझे नया जीवन दिया है।

नजरिया

ईद का सच - खुशी बाँटने में मिलती है, रखने में नहीं

प्रो. आरके जैन अरिजीत

ईद-उल-फ़ित्र केवल एक सामान्य उत्सव नहीं, बल्कि आत्मसंयम, धैर्य और आध्यात्मिक शक्ति की सर्वोच्च विजय का अनुपम प्रतीक है। रमज़ान की तपस्या ने शरीर को शुद्ध किया, मन को स्थिर और अडिग बनाया, और आत्मा में गहरी संतुलन और ताकत भर दी। परिवार और मित्रों के साथ गले मिलना, मिठाइयाँ बाँटना, जरूरतमंदों की मदद करना और नमाज़ पढ़ना केवल परंपरा नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सौहार्द और एकजुटता का सजीव संदेश है। ईद यह सिखाती है कि असली स्वतंत्रता केवल अनुशासन, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी में निहित है, और यही मूल्य जीवन को सार्थक, स्थिर और पूर्ण बनाते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक खुशी बाहरी भोग-भंडार में नहीं, बल्कि आंतरिक शक्ति, साझा संवेदनाओं और मानवता की गहन समझ में है। ईद-उल-फ़ित्र वह क्षण है जब आत्मा और मन का पुनर्जागरण अपनी पूर्णता पर पहुँचता है। पूरे महीने की अनुशासित दिनचर्या ने दिमाग और आत्मा को संयम, धैर्य और संतुलन का पाठ पढ़ाया है। यह दिन आज की डिजिटल और तुलना-प्रधान दुनिया में वास्तविक मानवीय संबंधों और गहरे संवाद की याद दिलाता है। परिवार और मित्रों के साथ बिताया गया समय, बिना किसी स्क्रीन के खुला संवाद, और दुआएँ जो केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे समाज और मानवता के कल्याण के लिए होती हैं, भीतर से शांति और नई ऊर्जा भरती हैं। माफी और क्षमा का संदेश इस दिन और भी स्पष्ट रूप से प्रकट होता है, जो हर व्यक्ति के भीतर नई शुरुआत, आत्मविश्वास और जीवन की सच्ची शक्ति जगाता है।

ईद-उल-फ़ित्र केवल त्योहार नहीं, बल्कि रमज़ान के अनुशासन के साथ-साथ आज के समय में पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवन के महत्व का भी प्रेरणादायक संदेश है। इस दिन तैयार होने वाले भोजन को आवश्यकता के अनुसार रखना और अनावश्यक बर्बादी से बचना इस्लामी शिक्षाओं (इसराफ़ न करने) के अनुरूप है। नए कपड़े पहनने की परंपरा न केवल उत्सव की खुशी बढ़ाती है, बल्कि पुराने कपड़ों को दान कर जरूरतमंदों तक पहुँचाने का संदेश भी देती है, जो सस्टेनेबल फैशन को प्रोत्साहित करता है। फितरा और ज़कात गरीबों और अनाथों को शामिल करने का अवसर प्रदान करते हैं, जबकि घर पर और प्राकृतिक तरीके से बनाई गई मिठाइयाँ प्रोसेस्ड फूड के प्रति सतर्कता की प्रेरणा देती हैं। ईद हमें यह सिखाती है कि लालच से दूर रहकर, संसाधनों का सम्मान करके और सामूहिक संतोष अपनाकर, जीवन और समाज में संतुलन कायम किया जा सकता है।

ईद-उल-फ़ित्र युवाओं के लिए केवल त्योहार नहीं, बल्कि आत्मिक और मानसिक सशक्तिकरण का अवसर है। यह दिन उन्हें वर्चुअल दुनिया से बाहर निकलकर असली रिश्तों और संवाद में निवेश करने की प्रेरणा देता है। तनाव और चिंता से जूझ रहे युवाओं के लिए ईद अनुशासन और संयम की ताकत याद दिलाती है, जिससे आत्मविश्वास और साहस बढ़ता है। खेल, मिलन समारोह और सामाजिक गतिविधियाँ टीम भावना, सहयोग और सामूहिक समझ का संदेश देती हैं। असली खुशी सोशल मीडिया में नहीं, बल्कि वास्तविक कनेक्शन और साझा अनुभव में निहित है। यह त्यौहार युवाओं को नई ऊर्जा और उत्साह देता है, ताकि वे अपने सपनों और करियर की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सकें। ईद-उल-फ़ित्र वैश्विक एकता और मानवता का प्रतीक भी है। यह दिन पूरी दुनिया में एकसाथ मनाया जाता है, जो दर्शाता है कि मानवता की सीमाएँ किसी देश या धर्म से बड़ी हैं। युद्ध और विभाजन के समय में यह प्रेम, भाईचारे और सहयोग का संदेश फैलाती है। गिफ्ट्स का आदान-प्रदान केवल वस्तुएँ नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक पुल बनाता है। हर धर्म और समुदाय इसके संदेश से प्रेरित होकर बलिदान, त्याग और एकजुटता का महत्व समझ सकता है। ईद की नमाज़ वैश्विक प्रार्थना है, जो शांति, सहिष्णुता और सहयोग की कामना करती है और सिद्ध करती है कि छोटी परंपराएँ भी बड़े बदलाव की नींव रख सकती हैं। ईद-उल-फ़ित्र जीवन में सफलता, संतोष और खुशहाली की राह दिखाती है। यह बताती है कि अनुशासन, धैर्य और सामूहिकता ही जीवन को सार्थक बनाते हैं। यह त्योहार हर अंधेरे के बाद रोशनी का प्रतीक है और मानव जीवन को नई दिशा देता है। सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि हमारे भीतर छिपा है-ईद बार-बार इस सत्य को याद दिलाती है। इसकी आत्मा अपनाई जाए तो यह समाज और दुनिया दोनों को बदल सकती है। ईद नए सपनों और संभावनाओं की शुरुआत है, जो हर साल नई ऊर्जा और उत्साह के साथ लौटती है और जीवन को सुंदर बनाती है। खुशी का असली सार केवल प्राप्त करने में नहीं, बल्कि देने और बाँटने में छिपा है-और ईद इसी संदेश को जीवंत करती है। यह पर्व प्रेम, क्षमा, सहयोग और मानवता की शक्ति को उजागर करता है। हर दुआ, दान और साझा आनंद केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक, समृद्ध और संतुलित बनाने का अभ्यास है। आज की तेज़-तर्रार और क्षणिक सुखों में उलझी दुनिया में, ईद हमें यह याद दिलाती है कि आत्मा की संतुष्टि और भीतर से महसूस की जाने वाली खुशी ही सबसे स्थायी, शुद्ध और सच्ची खुशी है।

सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि हमारे भीतर छिपा है-ईद बार-बार इस सत्य को याद दिलाती है। इसकी आत्मा अपनाई जाए तो यह समाज और दुनिया दोनों को बदल सकती है। ईद नए सपनों और संभावनाओं की शुरुआत है, जो हर साल नई ऊर्जा और उत्साह के साथ लौटती है और जीवन को सुंदर बनाती है। खुशी का असली सार केवल प्राप्त करने में नहीं, बल्कि देने और बाँटने में छिपा है-और ईद इसी संदेश को जीवंत करती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नीना गुप्ता की सीख से बदला संदीपा धर का नजरिया, 'चुंबक' के सेट पर मिली खास सलाह बनी प्रेरणा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया में सफलता का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। यहां कब कौन-सा काम किसी कलाकार की किस्मत बदल दे, यह पहले से कहना मुश्किल होता है, इसलिए कई अनुभवी कलाकार हमेशा नए कलाकारों को एक ही बात सिखाते हैं- लगातार काम करते रहो और अपने हुनर पर भरोसा रखो। इस कड़ी में एक्ट्रेस संदीपा धर ने भी ऐसा ही एक अनुभव साझा किया है, जिसने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। यह अनुभव उनकी नई वेब सीरीज 'चुंबक' की शूटिंग से जुड़ा हुआ है, जहां उनकी मुलाकात दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता से हुई। मुलाकात के खास पलों को याद करते हुए संदीपा धर ने कहा, नीना गुप्ता मुझसे अक्सर कहती हैं कि उन्होंने एक शॉर्ट फिल्म 'स्टूडेंट' की थी, उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि वही काम आगे चलकर उनके लिए नए मौके लेकर आएगा। लेकिन उसी काम की वजह से उन्हें बाद में फिल्म 'बधाई हो' जैसी बड़ी और सफल फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। वह कहती हैं कि कौन-सी फिल्म, कौन देखेगा और कहां देखेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। तुम्हारा काम एक एक्टर के तौर पर बस काम करते रहना है और अच्छा काम करना है ताकि कहीं न कहीं कोई तुम्हें देखे और सोचे कि शायद तुम किसी और प्रोजेक्ट के लिए सही हो.''

संदीपा ने माना कि यह बात सुनने में जितनी आसान लगती है, उसे जिंदगी में बनाए रखना उतना ही मुश्किल होता है, लेकिन यह सफलता का मंत्र है, जिसे समझना जरूरी है। नीना गुप्ता ने लंबे समय तक संघर्ष किया और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 1982 में 'साथ-साथ' फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने 'मंडी', 'जाने भी दो यारों', 'त्रिकाल' और 'गांधी' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी। उन्होंने टीवी की दुनिया में भी नाम कमाया और 90 के दशक में 'सांस' (1999) और 'सिस्की' जैसे टीवी शो के साथ-साथ क्विज शो 'कमजोर कड़ी कौन' की मेजबानी करके घर-घर में मशहूर हो गईं। उनके करियर में चार चांद तब लगे, जब वह 'बधाई हो' (2018) में नजर आईं। इस फिल्म के लिए उन्होंने फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड जीता। इसके बाद उन्होंने 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान', 'ऊंचाई' और 'पंचायत' (वेब सीरीज) में प्रमुख भूमिकाएं निभाईं। वहीं संदीपा धर की बात करें, तो वह हाल ही में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आई थीं, जहां उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा। अब वह पहली बार नीना गुप्ता के साथ 'चुंबक' में काम कर रही हैं।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद : दिव्या दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। आईएएनएस से खास बातचीत में दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही 'पूरी' होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।

उन्होंने आगे कहा, मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।

समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

चुनाव की हलचल

सोनारपुर दक्षिण: टीएमसी उम्मीदवार अरुंधति मैत्रा और सांसद सयोनी घोष ने सोनारपुर के रवींद्र भवन में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए: भारत

लंदन/भाषा। पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात पर गहरी चिंता जताते हुए भारत ने बातचीत के जरिए तनाव कम करने का आह्वान किया है। भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार व्यापारिक जहाजों के नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए।अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) परिषद के 36वें असाधारण सत्र को संबोधित करते हुए ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना और चालक दल की सुरक्षा को खतरे में डालना अस्वीकार्य है।

आईएमओ परिषद के इस दो दिवसीय सत्र में अरब सागर, ओमान सागर और खाड़ी क्षेत्र, विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास समुद्री जहाजों और नाविकों पर पड़ रहे प्रभावों पर चर्चा की गई। दोरईस्वामी ने कहा, भारत मौजूदा स्थिति को लेकर बेहद चिंतित है और कूटनीति तथा बातचीत के जरिए तनाव कम करने की अपील करता है।

नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों और समुद्री बुनियादी ढांचे पर हमले अस्वीकार्य हैं, क्योंकि इनके कारण निर्दोष नाविकों की जान गई है और जोखिम काफी बढ़ गया है। उच्चायुक्त ने जानकारी दी कि वर्तमान में फारस की खाड़ी क्षेत्र में भारतीय ध्वज वाले 24 जहाज परिचालन में हैं, जिनमें कुल 658 भारतीय नाविक सवार हैं।

शोक

प्रसिद्ध डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की माता के निधन पर अभिनेत्री फातिमा सना शेख और अन्य फिल्मी हस्तियां अंतिम संस्कार में शामिल होने मुंबई पहुंचीं।

'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर ने प्रशंसकों से फिल्म की कहानी साझा न करने की अपील की

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्माता आदित्य धर ने बुधवार को कहा कि कृपया धुरंधर: द रिवेंज के स्पॉइलर साझा न करें और अंत तक फिल्म देखें। उन्होंने पहले भाग के लिए मिले अभूतपूर्व प्यार को एक फिल्म निर्माता को मिलने वाला सबसे विनम्र और सबसे भावुक उपहार बताया। रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म के दूसरे भाग की सिनेमाघरों में रिलीज की शुरुआत बुधवार को शाम 5:30 बजे से देश भर के कई सिनेमाघरों में 'पेड प्रीव्यू स्क्रीनिंग' के साथ होगी। फिल्म बृहस्पतिवार को सिनेमाघरों में आधिकारिक तौर पर रिलीज होगी।

फिल्म के लेखक, निर्देशक और सह-निर्माता धर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक बयान साझा करते हुए कहा कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर देखने के लिए बनी है। उन्होंने कहा, मेरी आपसे एक दिल से और विनम्र विनती है... कृपया स्पॉइलर (फिल्म की कहानी) साझा न करें! हर प्रशंसक को बिना किसी जानकारी के, लेकिन उत्सुकता के साथ शो देखने आने दें और अपने निजी अनुभव के साथ बाहर जाने दें। आपने 'धुरंधर' को यह मुकाम दिलाया है। अब मैं आप पर भरोसा करता हूं कि आप इसे आगे भी सुरक्षित रखेंगे।

साथ ही उन्होंने पोस्ट में लिखा, ओह, और एक और बात। जब तक 'क्रेडिट्स' (फिल्म बनाने में सहयोगियों की सूची) पूरी तरह समाप्त न हो जाएं, अपनी सीट न छोड़ें। फिल्म का पहला भाग, धुरंधर पांच दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था। इस फिल्म में अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त भी थे और इसने सिनेमाघरों में रिलीज के दौरान 1,300 करोड़ रुपए कमाए। इससे पहले विक्की कौशल अभिनीत फिल्म उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक्स का निर्देशन कर चुके धर ने फिल्म को अपनाने और इसे अपना बनाने के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

नवरात्रि

नवरात्रि के दूसरे दिन पटियाला के ऐतिहासिक श्री काली देवी मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। इस दौरान किसान मजदूर यूनियन के सदस्यों ने भी मंदिर में माथा टेका और सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

युद्ध के बीच परिवार से बात नहीं कर पा रहे ईरानी समुदाय के लोग, भारी मन से मनाएंगे नवरोज

पेरिस/एपी। ईरान में 2025 के अंत में जब देशव्यापी विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, तो शायान गदीमी की मां पेरिस से ईरान लौट गईं ताकि वह स्वयं इस प्रदर्शन को देख सकें। मां का ईरान जाना, उसके बाद हुई हिंसक कार्रवाई तथा अब ईरान युद्ध के बीच संपर्क बनाए रखने में परेशानी से पूरा परिवार दुखी है।

विदेश में रहने वाले कई ईरानियों की तरह गदीमी के परिवार के सदस्यों ने भी भारी मन से पारसी नववर्ष नवरोज नहीं मनाने का फैसला किया है। गदीमी ने कहा कि उनकी 70 वर्षीय मां ने टीवी पर शुरुआती विरोध प्रदर्शन देखे थे।रेस्तरां चलाने वाली गदीमी के अनुसार मां ने कहा था, 'मैं वहां जाना चाहती हूं। गदीमी ने कहा, अब वह (ईरान में) घर के अंदर बिल्कुल अकेली हैं, संपर्क बनाए रखने का कोई तरीका नहीं है। मैं नहीं जानता कि वह किस हाल में हैं। पेरिस में पिछले साल नवरोज के अवसर पर संगीत कार्यक्रम आयोजित करने वाले ईरानी सांस्कृतिक केंद्र ने कहा कि वह शोक में है। अमेरिका में कुछ ईरानी-अमेरिकी समुदायों ने भी उत्सवों को रद्द कर दिया है या बेहद सादगी से मनाने का फैसला किया है। नवरोज का अर्थ नया दिन होता है। यह ईरान के अलावा अफगानिस्तान से लेकर तुर्किये तक मनाया जाता है। विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमि के ईरानी लोग नवरोज मानेत हैं। हालांकि कभी-कभी कट्टरपंथी इसे रोकने का प्रयास करते हैं। नवरोज की खरीदारी के लिए बाहर गईं शकीबा एदीगोफर ने कहा कि वह और उनके ईरानी दोस्त युद्ध के बीच एक तरह के भावनात्मक उथल-पुथल से गुजर हैं । इजराइल और अमेरिका ईरान के नेताओं और सेना पर हमला कर रहे हैं, जबकि ईरान इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर मिसाइलें और ड्रोन दाग रहा है। 'मेकअप आर्टिस्ट' एदीगोफर ने कहा, आप सुनते हैं कि ईरान के फलां नेता को खत्म कर दिया गया फांसी दी गई या बमबारी हुई। संचार के अधिकांश साधन खत्म हो जाने के कारण, यह जानने की कोशिश करना कि परिवार और दोस्त बमबारी के बीच किस हाल में हैं, एक तनावपूर्ण अनुभव है।

एदीगोफर ने कहा, मेरे एक दोस्त ने कुछ दिन पहले बहुत संक्षिप्त अवधि के लिए 'इंस्टाग्राम' पर संपर्क करने का प्रयास किया था।

समीक्षा

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देश में कृषि की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने किसानों के कल्याण और ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर दिया।

आखिरी सांस तक भाई के साथ खड़ी रहूंगी : सेलिना जेटली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सेलिना जेटली की अपने भाई विक्रांत जेटली से मिलने की आखिरी उम्मीद भी टूट गई। हाल ही में सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि विक्रांत ने अपनी बहन से बात करने से साफ मना कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे किसी से संपर्क नहीं करना चाहते और कानूनी फैसले अपनी पत्नी चारुल जेटली से सलाह लेकर ही लेंगे। बुधवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने भाई के फैसले का सम्मान किया। अभिनेत्री ने भाई के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा कि वे उनके इस फैसले को समझती हैं। नोट में सेलिना ने बताया कि उन्होंने आखिर में अपने भाई से कब बात की थी। सेलिना ने लिखा, मैंने अपने भाई से आखिरी बार 23 अगस्त 2024 को बात की थी। कुछ दिन बाद, 6 सितंबर 2024 को उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। इसके बाद मई 2025 तक गुप्त रूप से रखा गया। फिर मध्य पूर्व के एक डिटेंशन सेंटर में भेजा गया, जहां वे अब लगभग 18 महीने से बिना किसी औपचारिक प्रक्रिया के रखे गए हैं। उनसे मिलने की अनुमति भी बहुत कम है। सेलिना ने लिखा कि हिरासत के दौरान उनके भाई को क्या-क्या बताया गया होगा, उन्हें नहीं पता। भाई हमेशा मेरी बहुत फिक्र करते थे। बाहर की पूरी सच्चाई उन्हें अभी नहीं पता है। हो सकता है कि अधूरी जानकारी के आधार पर वे अपनी बहन को आर्थिक और मानसिक परेशानी से बचाने की कोशिश कर रहे हों। ऐसे हालात में हिरासत वाले व्यक्ति के फैसले को उसी स्थिति में देखना चाहिए।

सेलिना ने लिखा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता भाई की शारीरिक और मानसिक सेहत को लेकर रही है। यह मामला कभी मेरे बारे में नहीं था। मेरा उद्देश्य हमेशा यही था कि मुझे अपने भाई से मिलने और बात करने का मौका मिले और सबसे जरूरी बात, उन्हें सही कानूनी मदद मिल सके। मुझे खुशी है कि जून 2025 से अब तक भारत सरकार को उनसे नौ बार मिलने का मौका मिला है और सरकार ने यह भी कहा है कि वे उन्हें और उनकी पत्नी को कानूनी मदद लेने के लिए आगे भी प्रेरित करती रहेगी।

सेलिना ने भारत सरकार का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, मैं आभारी हूं कि सरकार लगातार उनके स्वास्थ्य और स्थिति पर ध्यान दे रही है और आगे भी इस मामले में प्रयास जारी हैं। मेरा हमेशा से सिर्फ एक ही मकसद रहा है उनकी सुरक्षा, कानूनी हक और सम्मान बना रहे। मैं समझती हूं कि शायद वे अपने तरीके से मुझे बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मैं हमेशा उनके साथ खड़ी रहूंगी और यह सुनिश्चित करूंगी कि उन्हें सही कानूनी मदद मिलती रहे। अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, जब तक मैं सीधे भाई से मिलकर बात नहीं कर लेती, तब तक किसी भी बात पर पूरा भरोसा नहीं कर सकती। मैं उन्हें बहुत अच्छे से जानती हूं, वे मेरे लिए मेरे पहले बच्चे जैसे हैं। मैं आखिरी सांस तक उनके साथ खड़ी रहूंगी।

'सरके चुनर' विवाद पर नोरा फतेही ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था, ये इतना भद्दा है'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही इन दिनों पैन इंडिया फिल्म 'केडी- द डेविल' के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर विवादों का सामना कर रही हैं। इस गाने में उनके साथ संजय दत्त नजर आ रहे हैं। गाना रिलीज के बाद से सुर्खियों में छाया हुआ है, जिसे बाद में बढ़ते विरोध के बाद मेकर्स ने यूट्यूब से हटा दिया। दूसरी तरफ, गाने के बोल और डांस स्टेप्स को लोग अश्लील करार दे रहे हैं और विरोध दर्ज करा रहे हैं। इसी बीच एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह इतना भद्दा है। नोरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती दिख रही है, तीन साल पहले मैंने इस गाने को कन्नड़ भाषा में शूट किया था।

मैंने यह गाना इसलिए किया क्योंकि यह एक बड़ी फिल्म थी और इसमें बड़े अभिनेता संजय दत्त हैं। मुझे फिल्म मेकर्स पर भी काफी भरोसा था, इसलिए मैं इस गाने को करने के लिए राजी हो गई। जब मैंने यह गाना शूट किया तो मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह इतना भद्दा है, लेकिन जब मैंने इसको हिंदी में सुना तो मुझे समझ में आया कि यह बेहद भद्दा है।

इस वीडियो को साझा करते हुए नोरा ने कैप्शन में लिखा, ''मैं बिल्कुल नहीं चाहती कि कोई यह सोचे कि मैं इस चीज का समर्थन करती हूं। जो भी विरोध हुआ है, उसके लिए मैं धन्यवाद देना चाहती हूं, क्योंकि इसी दबाव की वजह से फिल्म मेकर्स ने आखिरकार उस गाने को हटा दिया।''

उन्होंने आगे लिखा, ''मैं सभी से यह भी अनुरोध करती हूं कि कृपया उस गाने को आगे शेयर करना बंद करें, क्योंकि ऐसा करके आप उसे बेवजह और प्लेटफॉर्म दे रहे हैं। दूसरी तरफ, मैं यह भी देख रही हूं कि कुछ लोग इस मौके का इस्तेमाल मेरे कैरेक्टर पर सवाल उठाने के लिए कर रहे हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।''

नोरा ने आखिर में लिखा, ''खैर, मैं और मेरी टीम आगे से ऐसे मामलों में और ज्यादा सावधानी बरतेंगे। लेकिन, मैं फिर से साफ करना चाहती हूं कि मुझे उस हिंदी गाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, मैंने उस पर परफॉर्म नहीं किया और मेरी इमेज के साथ उसे इस्तेमाल करने की कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी।''

विप्र फाउंडेशन के दक्षिण भारत अध्यक्ष श्रीकांत पाराशर का बालू पंचारिया ने किया सम्मान।

महर्षि गौतम की आरती करते हुए श्रद्धालुगण।

हर्षोल्लास से मनाई महर्षि गौतम जयंती

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज ने भजनों का किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज ने यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में गुरुवार को अपने आराध्यदेव महर्षि गौतम ऋषि की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि गौतम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए राम दरबार, गायत्री माता, गणेश जी सहित भगवान परशुराम जी की पूजा से किया। पाली से आए पंडित मुकेश शर्मा ने विधि विधान करवाया। संस्था के अध्यक्ष बालू पंचारिया, वरिष्ठजन, महिला, युवा टीम सहित विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विप्र फाउंडेशन जोन 18 के नव मनोनीत अध्यक्ष हरिराम सारस्वत ने दीप प्रज्वलित किया।

भारतीय नववर्ष पर समाज के चहुंमुखी विकास एवं सभी के कल्याण की प्रार्थना के साथ संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। कार्यक्रम में भजनों के माध्यम से पंडित नरेंद्र पंचारिया व उनकी टीम ने भक्ति का समा बांधा। इस भक्तिमय वातावरण का आनन्द लेते हुए बच्चे, युवा व महिलाओं ने नृत्य किया। बच्चों को उपहार भी दिए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विप्र फाउंडेशन के नवमनोनीत दक्षिण भारतीय प्रदेशों के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत पाराशर व जोन 18 के अध्यक्ष हरिराम सारस्वत का गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कर्नाटक के अध्यक्ष बालू पंचारिया ने सम्मान किया।

मुख्य अतिथि श्रीकांत पाराशर ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप सभी के सहयोग से विप्र फाउंडेशन सभी विप्रजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए कुछ अच्छे कार्य करेगा। कार्यक्रम का संचालन जगदीश आचार्य ने किया। इस मौके पर गौतम जयंती महोत्सव में सहयोग देने वालों को धन्यवाद दिया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महेंद्र उपाध्याय (जयमाताजी), जितेंद्र उपाध्याय, कैलाश जोशी, श्रीनिवास उपाध्याय, सूरज व्यास, सचिन उपाध्याय, विनोद शर्मा, दिनेश भारद्वाज, शिवनारायण जोशी, सूर्यप्रकाश आचार्य, प्रमोद जोशी, लीलाधर उपाध्याय, जगदीश पंचारिया, गोपाल तिवाड़ी आदि ने भी योगदान दिया।

संजीवनी ज्वाला अहिंसा सेवा संघ व विनायक मित्र मंडल ने की गौसेवा

'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के समूह संपादक श्रीकांत पाराशर के हाथों से भेंट कराई सहयोग राशि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर बंडे स्थित श्रीकृष्णा गौशाला आश्रम में गुरुवार को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ज्वालामालिनी के साधक गुरुदेव सत्यज्वालाजी की निश्रा में व दक्षिण भारत राष्ट्रमत के समूह सम्पादक श्रीकांत पाराशर की विशेष उपस्थिति में संजीवनी ज्वाला अहिंसा सेवा संघ व विनायक मित्र मंडल गंगानगर द्वारा गायों के सहयोगार्थ एकत्रित दान राशि गौशाला के प्रमुख संत पुखराजजी महाराज की उपस्थिति में गौशाला के लिए भेंट की गई। दोनों संगठनों की ओर से उनके प्रतिनिधियों के साथ श्रीकांत पाराशर ने गौशाला के प्रतिनिधि को नकद राशि भेंट की। इस दौरान पुखराजजी महाराज ने दान राशि के सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी गाय माता के लिए इसी प्रकार सहयोग करते रहने की आशा जताई। उन्होंने गत मंगलवार को गौशाला में हुई आग त्रासदी की घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि लंबे समय तक के लिए गायों के लिए संग्रहित सूखा चारा आग की भेंट चढ़ गया। गौशाला में रखे घास में लगी आग के बारे में बताते हुए पुखराजजी महाराज भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि दुष्ट प्रकृति के लोगों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है जिनकी आँखों में यह गौशाला खटक रही है।

उन्होंने कहा कि आप जैसे गौभक्तों का साथ है तो भगवान आगे भी सब व्यवस्था करेंगे ।ङ्कइस सेवा कार्य के मौके पर गणपतलाल बोहरा, प्रकाशचन्द सीरवी, ओमप्रकाश सीरवी, पूनाराम सीरवी, जगदीश चौहान, अशोक पटेल, वरदाराम पटेल, सुरेन्द्र पटेल सहित कई गौभक्त उपस्थित थे।

दीक्षार्थी सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महावीर स्वामी जैन संघ, त्यागराजनगर के प्रांगण में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में शुक्रवार को मुमुक्षु मेहल शाह एवं मुमुक्षु देशना कटारिया का संघ की ओर से सम्मान किया गया। मुमुक्षुओं ने 9 जुलाई को गच्छाधिपति आचार्यश्री युगभूषणसूरीश्वरजी (पंडित महाराज) एवं आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में होने वाले दीक्षा महोत्सव में सकल संघ को आमंत्रित किया।

हिंदी के अध्यापकों और विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुई ओरिएंटेशन कार्यशाला

आदर्श कॉलेज व डॉ.मनमोहन सिंह सिटी विश्वविद्यालय ने किया आयोजन

एक समय कर्नाटक में हिंदी के अध्यापकों के सामने रोजी-रोटी का संकट आ खड़ा हुआ था। ऐसे समय में अधिकारियों और न्यायालय को बताना पड़ा था कि क्यों भारतीय साहित्य का कॉलेजों में अध्यापन आवश्यक है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एसआरएन आदर्श महाविद्यालय और हिंदी पाठ्यक्रम समिति डॉ.मनमोहन सिंह बेंगलूरु सिटी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को चतुर्थ सेमेस्टर हिंदी के अध्यापकों और विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ. मैथिली पी राव ने कहा कि इस तरह का अकादमिक आयोजन वक्त की जरूरत है। साहित्य से दूर जा रहे हाईटेक शहरों के विद्यार्थियों में संवेदनशीलता और आलोचनात्मकता के विकास के लिए ऐसे आयोजन आवश्यक हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. विनय कुमार यादव ने इस अवसर पर कहा कि एक समय कर्नाटक में हिंदी के अध्यापकों के सामने रोजी-रोटी का संकट आ खड़ा हुआ था। ऐसे समय में अधिकारियों और न्यायालय को बताना पड़ा था कि क्यों भारतीय साहित्य का कॉलेजों में अध्यापन आवश्यक है? इस मौके पर आदर्श कॉलेज के सचिव जितेंद्र मरड़िया और प्रधानाचार्य डॉ. प्रशांत एस ने उपस्थित जनों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में 'ग्लोबल गाँव के देवता' और महामायी' नाटक पर चर्चा की गई। सेवानिवृत्त आईएएस. अधिकारी और प्रख्यात साहित्यकार रणेन्द्र ने इस अवसर पर आभासी माध्यम से जुड़ कर यह बतलाया कि कैसे उन्हें आदिवासियों पर लिखने का भाव जागा?

इस मौके पर डॉ. कृष्णा अनुराग ने आदिवासी वैचारिकी पर प्रकाश डाला और कहा कि आदिवासी समुदाय ने केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान के संकट से लड़ रहा है। सदियों से उन्हें खदेड़ा जा रहा है। डॉ. नंदिनी चौबे और अनुज बरमौला ने भी उपन्यास पर अपने विचार व्यक्त किए। 'महामायी' नाटक की प्रासंगिकता और उद्देश्य पर डॉ. लता एनएम, डॉ. सौम्या और डॉ. कंचन ने अपनी विचार रखे। सत्र के अध्यक्ष डॉ. एचआर पुट्टण्णा ने कहा कि आज केवल आदिवासियों पर ही नहीं बल्कि हर व्यक्ति पर खतरा मंडरा रहा है।

द्वितीय सत्र के पहले खंड में डॉ. अजीत कुमार, डॉ. मंगलगी सुरेखा एम. और डॉ. गगन कुमारी हलवर ने 'दीपदान, स्ट्राइक, माँ, भोर का तारा, सूखी डाली और पर्दे के पीछे' उपन्यासों पर प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ. बबीता बीएम ने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह से इन रचनाओं को पढ़ाया जाए कि वे उत्तर लिखने की विधि को भी समझ सकें। दूसरे खण्ड में डॉ. क्षितिजा, डॉ. रंजना पिल्ले और डॉ. प्रतिभा डी ने नरेश मेहता द्वारा रचित 'शबरी' खंड काव्य पर विचार किया। सत्राध्यक्ष प्रो. गीताश्री ने इस अवसर पर कहा कि एआई के दौर में रामकथा को विद्यार्थियों को पढ़ाना कठिन चुनौती है। ङ्कङ्कसमापन सत्र में डॉ. विजयश्री गुडी, डॉ. बीबी मरियम, डॉ. प्रमोद नाग ने 'कलंक रेखा, तौलिए, स्ट्राइक, रीढ़ की हड्डी और मम्मी ठकुराइन' एकांकियों पर परिचर्चा की। सत्राध्यक्ष डॉ. तारा नायर ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बताया कि विद्यार्थियों को ऐसे एकांकियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा जो मानवीय संवेदनाओं को जगाएगा। कार्यशाला की संयोजिका हिंदी विभाग की अध्यक्षा डॉ. ज्योत्सना सोनी ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में अनेक कॉलेजों के प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खागा व्यापार उत्सव

बेंगलूरु के कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन (खागा) द्वारा आयोजित खरीददारी मेला 'खागा व्यापार उत्सव' में उगादि व रमजान के त्योहार पर विशेष उत्साह दिखाई दिया। हर सप्ताह लकी ड्रा में टेलीविजन-कूलर पुरस्कार होने के कारण यह खागा उत्सव ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। शुक्रवार को इस उत्सव के ड्रॉ के मौके पर मामुलपेट में विभिन्न प्रतिष्ठानों पर लक्की ड्रा निकाला गया तथा विजेताओं को टेलीविजन व कूलर पुरस्कार भेंट किए गए। इस अवसर पर खागा के सचिव कैलाश बालर, उत्सव कमेटी के चेयरमैन दिलीप जैन एवं संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, राजू जैन आदि उपस्थित थे।

भारत सरकार से जुड़ी कोई गुप्त गतिविधि अब कनाडा में नहीं : पुलिस प्रमुख

ओटावा/भाषा। कनाडा के पुलिस प्रमुख ने कहा है कि उनके देश में अब भारत सरकार से जुड़ी ''कोई गुप्त गतिविधि या सीमा पार दमनकारी'' कार्रवाई नहीं हो रही है। 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस' (आरसीएमपी) के आयुक्त माइक डुहेम ने 'सीटीवी न्यूज' से एक साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की। उनसे सवाल किया गया कि क्या ''भारत के एजेंटों द्वारा सीमा पार दमन'' अब भी चिंता का विषय है। डुहेम ने इसके जवाब में कहा, ''वर्तमान में हमारे पास मौजूद आपराधिक जानकारी और जांच के आधार पर, हमें किसी भी विदेशी संस्था से कोई संबंध नजर नहीं आता।'' डुहेम ने रविवार को प्रसारित किए जाने वाले साक्षात्कार में कहा, ''मैं यह हमारे पास विदेशी हस्तक्षेप या सीमापार दमन से संबंधित सभी मामलों के समग्र आकलन के आधार पर कह रहा हूं। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो लोगों को डरा रहे हैं, उन्हें परेशान कर रहे हैं लेकिन किसी विदेशी इकाई से, चाहे वह कोई भी देश हो, उनका संबंध जोड़ने के लिए हमारे पास कुछ नहीं है।'' उनकी यह टिप्पणी कनाडा और भारत के बीच कई महीनों तक बने रहे राजनयिक तनाव के बाद आई है। भारत और कनाडा ने अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए पिछले कुछ महीनों में कई कदम उठाए हैं।

कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2023 में आरोप लगाया था कि खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संभवत: भारत की संलिप्तता है। ट्रूडो द्वारा ये आरोप लगाए जाने के बाद भारत एवं कनाडा के संबंध बेहद निचले स्तर पर चले गए थे। भारत ने ट्रूडो के आरोप को ''बेतुका'' करार दिया था।

ओटावा द्वारा अक्टूबर 2024 में निज्जर मामले से भारतीय उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को जोड़ने की कोशिश किए जाने के बाद भारत ने उन्हें वापस बुला लिया था। भारत ने इतनी ही संख्या में कनाडा के राजनयिकों को भी निष्कासित कर दिया था। हालांकि, पिछले साल अप्रैल में संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी की जीत से संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू करने में मदद मिली। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की राजधानियों में अपने-अपने उच्चायुक्त तैनात कर दिए हैं।

कार्नी इस महीने की शुरुआत में भारत आए थे और उस दौरान दोनों पक्षों ने यूरेनियम एवं महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति से जुड़े प्रमुख समझौतों पर मुहर लगाई और व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प जताया।

'सीधा वितरण कार्यक्रम' आयोजित कर सनातन परम्परा को जीवंत किया

नारायणी दादी परिवार एवं भाऊवाला फाउंडेशन ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय नारायणी दादी परिवार एवं भाऊवाला फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शहर में पहली बार सीधा (राशन एवं अन्य खाद्य सामग्री) वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छह विद्वान पंडितों को आमंत्रित कर उन्हें श्रद्धालुओं द्वारा 'सीधा' दिया गया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। श्रद्धालुओं ने अपने हाथों से सीधा के रूप में ब्राह्मणों को खाद्य सामग्री एवं सहयोग राशि भेंट की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति, सेवा भावना एवं पारंपरिक धार्मिक मूल्यों के संवर्धन तथा मूल्यों को नई पीढ़ी और बच्चों तक पहुँचाना रहा। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सेवा और संस्कार ही सच्ची भक्ति का आधार हैं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को सीधापात्र भेंट किए गए। नारायणी दादी परिवार के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, सचिव सिद्धार्थ नौपानी, संस्थापक सदस्य रमाकांत सराफ सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ, युवा एवं बच्चे शामिल थे।

जीतो लेडीज विंग का 'वैयावच्च एवं श्रमण आरोग्यम चिकित्सा शिविर' सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन(जीतो) लेडीज विंग द्वारा दो दिवसीय 'वैयावच्च एवं श्रमण आरोग्यम चिकित्सा शिविर' का आयोजन मधुबन (गिरिडीह) के सम्मेद शिखरजी तीर्थ पर किया गया। यह सेवा अभियान महिला विंग अपेक्स की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीतल दुगड़ के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस सेवा अभियान के अंतर्गत साधु-साध्वी का स्वास्थ्य परीक्षण व वैयावच्च सेवा, गोचरी सेवा, उपकरण सेवा, आवश्यक सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित हुए। आयोजन में श्रमण आरोग्यम योजना के चेयरमैन रमेश हरण, ईस्ट ज़ोन की चेयरपर्सन कल्पना बैद, अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी, अध्यक्ष विजय भंडारी, महासचिव ललितकुमार डांगी व मंत्री महावीर चपलोत का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जीवानंद आयुर्वेदिक सेंटर की टीम ने में चिकित्सा सेवा प्रदान की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**